हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, रविवार 27 अप्रैल 2025

11 सड़क सुरक्षा के नियमों की अनदेखी सहन नहीं करेंगे

12 पराली जलाने पर दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज

S.R. CENTURY PUBLIC SCHOOL
(A SCHOOL WITH A DIFFERENCE)
Bahadurgarh - 124507

Management, Staff, Students & Parents
Congratulate
their beloved
ADITYA VIKRAM AGGARWAL
on securing
RANK - 9
IAS, UPSC - 2024

SPORTS FACILITIES :
- Cricket
- Shooting
- Lawn Tennis
- Badminton
- Football
- Basketball
- Swimming Pool
- Billiards
- Volleyball
- Snooker
- Kabaddi
- Judo & Karate
- Boxing

STATE-OF-THE-ART INFRASTRUCTURE :
- Sustainable Campus
- Academically Conducive Environment
- Tech-Infused Classrooms
- Air-conditioned Sports Hall
- Ultra-Modern Gymnasium
- Medical Room
- RO Plant
- CCTV/GPS Enabled Transport System

Special Emphasis on Synergy of Spiritualism & Sacraments

S.R. Century Public School
Delhi-Rohtak Road, Bahadurgarh

S.R. Century Public School
Badli Road, Bahadurgarh

खबर संक्षेप

सीपीएलओ आज कुरुक्षेत्र में मांगेंगे मानदेय

बहादुरगढ़। हर गांव को डिजिटल बनाने तथा सभी सरकारी सेवाएं आमजन को गांव में ही उपलब्ध करवाने के लिए सरकार ने सीआरआईडी के तहत पंचायतों में दो साल पहले सीपीएलओ की भर्ती की थी। प्रदेश में करीब 33 सौ सीपीएलओ फैमिली आईडी और पंचायत विभाग का काम देखते हैं। इनकी भर्ती 27 अक्टूबर 2023 को जारी विज्ञापन के अनुसार 2 परीक्षाएं लेने के बाद 10 मार्च 2024 को हुई थी। इनका मानदेय महज 6 हजार रुपए महीना है। इतना ही नहीं बीते 6-7 महीने से यह मानदेय भी नहीं मिला है। सीपीएलओ तकनीकी पद के समान मानदेय बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। इसके लिए रविवार 27 अप्रैल को कुरुक्षेत्र आवास पर जाकर अपनी मांग रखेंगे।

नहरों में नहाने व तैराकी करने पर पाबंदी

झज्जर। जिलाधीश प्रदीप दहिया ने जिला की राजस्व सीमा से होकर गुजरने वाली नहरों में नहाने और तैराकी करने पर रोक लगाने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी किए हैं। यह कदम गर्मी के मौसम में नहरों में डूबने से होने वाले हादसों को रोकने और जिले में शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए उठाया गया है। आदेशों की उल्लंघना करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

शीशे से भरी गाड़ी चोरी

बहादुरगढ़। शहर के रोहतक रोड पर स्थित एक ग्लास कंपनी के बाहर खड़ी लोडिड गाड़ी को अज्ञात चोर लेकर फरार हो गए। ग्लास इंडस्ट्री के सीईओ रोहतक निवासी भूपेंद्र सिंह ने बताया कि उनकी कंपनी की गाडी गेट के बाहर खड़ी थी। जिसमें शीशा भी लोड था। लेकिन अज्ञात चोर उसे लेकर रफूचक्कर हो गए।

लड़कियां किसी भी क्षेत्र में लड़कों से पीछे नहीं

बावल। बावल क्षेत्र के गांव खरखड़ी में कन्या जन्म पर कुआं पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कन्या के पिता मनीष ने कहा कि वर्तमान समय में लड़का और लड़की एक समान है। लड़कियां किसी भी क्षेत्र में लड़कों से पीछे नहीं है। समाज में लड़की को भी भी लड़के की तरह पूरा मान-सम्मान मिलना चाहिए। कन्या के दादा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल से सेवानिवृत राजसिंह ने कहा आज के समय में लड़का-लड़की के भेदभाव को भूलकर दोनों को एक समान समझना चाहिए।

आजमनगर और ढाणी फैजाबाद में शिविर संपन्न

नारनौल। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुरा के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर लहरोदा के तहत गांव आजमनगर सिहार एवं ढाणी फैजाबाद में शनिवार को लिंग अनुपात में सुधार के लिए जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें रामपुरा अस्पताल के प्रभारी डा. नवीन कुमार सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी अशोक कुमार, मल्टीपर्पज हेल्थ वर्कर सुनील कुमार, एएनएम निर्मला एवं सुमन तथा आशा वर्कर प्रियंका व सुमन मौजूद रही।

राजकीय कॉलेज में छात्राओं को दी विदाई

साक्षी मिस फेयरवेल, आरजू मिस चार्मिंग और संजना को मिस पर्सनैलिटी का खिताब

विदाई समारोह में छात्राओं ने विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। टाइटल विजेता छात्राओं के साथ कॉलेज स्टॉफ। फोटो: हरिभूमि

राजकीय महिला महाविद्यालय बहादुरगढ़ में बीए अंतिम वर्ष की छात्राओं के सम्मान में शनिवार को भव्य एवं भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। चयन समिति सदस्य संगीता गोयल, डॉ शिल्पा व डॉ मोना द्वारा सर्वसम्मति साक्षी को मिस फेयरवेल, आरजू को मिस चार्मिंग, और संजना को मिस पर्सनैलिटी के खिताब से नवाजा गया। समारोह का शुभारंभ प्राचार्य अलका गुलाटी द्वारा मां सरस्वती के समक्ष पुष्प अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा कृपा व प्राची आदि द्वारा प्रभावी ढंग से किया गया। विदाई समारोह में छात्राओं द्वारा विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। प्रिंसिपल समेत कॉलेज स्टॉफ ने छात्राओं को भविष्य में आत्मविश्वास, मेहनत और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

उन्होंने छात्राओं से आग्रह किया कि वे शिक्षा से प्राप्त ज्ञान का उपयोग न केवल अपने व्यक्तिगत विकास के लिए करें, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

छात्राओं को विशेष उपाधियों से सम्मानित किया

छात्राओं ने गीत व नृत्य आदि प्रस्तुतियों से वातावरण को उल्लासमय एवं भावुकता से ओतप्रोत कर दिया। छात्राओं ने महाविद्यालय में बिताए गए अपने सुनहरे पलों को सांझा करते हुए भविष्य की नई उड़ान भरने के संकल्प को दोहराया। महाविद्यालय द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिनके आधार पर छात्राओं को विशेष उपाधियों से सम्मानित किया गया।

बहादुरगढ़। सीएम से मुलाकात करते मोर्चा के पदाधिकारी व सदस्य।

सीएम सैनी से नई पॉलिसी जल्द लागू करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

भारतीय किसान कामगार अधिकार मोर्चा के प्रतिनिधियों ने एचटी लाइन मुद्दे पर सीएम नायब सिंह सैनी से मुलाकात की। किसान प्रतिनिधियों ने नई मुआवजा पॉलिसी को जल्द लागू करने की मांग रखी।

जिसपर सकारात्मक रुख दिखाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत जल्द ही नई मुआवजा पॉलिसी हरियाणा में लागू कर किसानों को राहत दी जाएगी।बता दें कि एचटी लाइन के मुआवजे को लेकर भारतीय किसान कामगार अधिकार मोर्चा की अगुवाई में किसानों ने लंबा संघर्ष किया था। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने किसानों से 27 जनवरी 2025 को दिल्ली स्थित आवास पर बैठक की। इसके उपरांत भारत सरकार ने किसानों की मांगों के अनुरूप नई मुआवजा पॉलिसी 21 मार्च 2025 को बनाई। इसकी सूचना मिलने पर किसानों ने 23 मार्च को मिटाई बांटकर आंदोलन को समाप्त कर दिया। मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतेंद्र लोहचब ने बताया कि अब तक एचटी लाइन बिछाने के दौरान किसानों का दमन होता था। सरपंच वीरेंद्र पप्पू, श्रीभगवान, पारस, दिनेश और सुशील लोहचब भी मौजूद रहे।

16वां निर्वाण दिवस मनाया

■ लाइनपार के विकास नगर स्थित सतगुरु कबीर आश्रम में कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। संत करतार साहेब को नमन करते निगमदास महाराज व श्रद्धालु।

लाइनपार के विकास नगर स्थित सतगुरु कबीर आश्रम में संत करतार साहेब का 16वां निर्वाण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सत कबीर साखी पाठ, भंडारा व सत्संग का आयोजन हुआ। निगमदास महाराज ने संत करतार साहेब को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी वाणी के माध्यम से मानव को सदैव सत्य, मानवता व धर्म के मार्ग पर चलने को प्रेरित किया। कबीर साहेब ने भी आडंबरों से दूर रहकर भक्ति, तप व सत्य का मार्ग अपनाने की सीख दी है।

किसान मोर्चा ने की आतंकी हमले की निंदा

बहादुरगढ़। पहलगाम आतंकी हमले पर अफसोस जताते हुए भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष राम अहलावत ने मृतकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि आतंकियों द्वारा निर्दोष पर्यटकों पर की गई अंधाधुंध फायरिंग अमानवीय है। हिन्दुस्तान के किसानों में भी इस आतंकी हमले को लेकर भारी रोष व्याप्त है। किसान भी बॉर्डर पर जाकर दुश्मनों से दो-दो हाथ करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि कश्मीर में आंतकवाद को पूरी तरह से कुचलने के लिए केंद्र सरकार को आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

आतंकियों को जवाब देगी मोदी सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। पहलगाम आतंकी घटना की निंदा करते डॉ पंकज जैन। फोटो: हरिभूमि

भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ पंकज जैन के अनुसार मोदी सरकार पहलगाम आतंकी हमले के सभी गुनहगारों को मुंहतोड़ जवाब देगी। आतंकियों ने मानवता को शर्मसार कर दिया है। पूरे देश की जनता दुखी है और मृतकों के परिवारों के साथ खड़ी है।

अपने निवास स्थान पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए डॉ. पंकज जैन ने कहा कि पहलगाम में निर्दोष लोगों की धर्म पूछकर हत्या करना निंदनीय है। मृतकों के प्रति दुख व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद के संरक्षक पाकिस्तान पर बंदिशें लगाकर कड़ा संदेश दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा देश के गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में भारत सभी गुनहगारों को कठोरतक सजा देगा। मोदी सरकार पूरी तरह से एक्शन मोड में है।

गोपाल दास जी महाराज की 11वीं पुण्यतिथि पर विशाल भंडारा लगा

बहादुरगढ़। भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु व संत-महात्मा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर के मंदिर श्री बालाजी महाराज में शनिवार को गोपाल दास जी महाराज की 11वीं पुण्यतिथि पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। महंत श्री श्री 1008 गणेश बाबा जी के सानिध्य में भंडारा हुआ। शनिवार को मंदिर में सुबह 7 बजे हवन हुआ और उसके उपरांत भंडारा चला। कार्यक्रम श्रद्धालुओं के अलावा कई संत महात्मा मंदिर में पहुंचे। भंडारे में असंख्या श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

सराय स्कूल में करवाया योगाभ्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। बच्चों को योगाभ्यास करवाते योगाचार्य जगदीश कुमार सहवाग।

गांव सराय औरंगाबाद के राजकीय माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में शनिवार को निःशुल्क योग-प्राणायाम शिविर का आयोजन किया गया। कैंप की अध्यक्षता अरुणा कुमारी ने की। योगाचार्य जगदीश कुमार सहवाग ने योगाभ्यास कराते हुए बच्चों से प्रतिदिन योग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि योग से शारीरिक व मानसिक विकास होता है। युवा शक्ति शिक्षित बने, संगठित रहे और विषम परिस्थितियों से घबराए बगैर संघर्ष करे। युवा शक्ति के माध्यम से ही हम स्वदेशी-युवा समर्थ-विकसित-आत्म निर्भर एवं विश्व गुरु भारत का निर्माण कर सकते हैं। इस अवसर पर सुदेश कुमारी, ज्योति, शीला देवी, विद्यावती, मीना रानी, गीता, संदीप, राजकुमार, सुमित, सुरेंद्र राठी, दिनेश रंगा व अरुण कुमार आदि उपस्थित रहे।

संकीर्तन को लेकर समिति की बैठक

बहादुरगढ़। बैठक में चर्चा करते समिति के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गौधन सेवा समिति द्वारा बादली रोड पर मेला ग्राउंड के निकट नंदीशाला में रविवार 27 अप्रैल को शाम 5 बजे से प्रभु इच्छा तक तीसरे वार्षिक श्याम संकीर्तन का आयोजन होगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए नंदीशाला में शनिवार को समिति सदस्यों की एक बैठक हुई। बैठक में कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी समिति सदस्यों को जिम्मेदारियां सौंपी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य बेसहारा गौ माता और नंदी महाराज के लिए पूरे साल भर का सूखा चारा संग्रह करना है।

बौद्धिक संपदा दिवस पर व्याख्यान

■ छारा राजकीय महाविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। व्याख्यान के दौरान उपस्थित छात्र-छात्राएं। फोटो: हरिभूमि

छारा राजकीय महाविद्यालय में विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के अवसर पर वाणिज्य विभाग द्वारा एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में डॉ. जयंत और मोनिका द्वारा छात्रों को पेटेंट, ट्रेडमार्क, कॉपीराइट और औद्योगिक डिजाइन आदि के बारे में बताया गया।दरअसल, बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 26 अप्रैल को प्रतिवर्ष यह दिन मनाया जाता है। विश्व बौद्धिक संपदा संगठन द्वारा 2000 से नवाचार और रचनात्मकता को प्रोत्साहित किया जा रहा है। डिजिटलाइजेशन और नवाचार के युग में छात्रों के लिए आईपीआर के बारे में ज्ञान आवश्यक है।

ताकि नए विचारों, प्रौद्योगिकियों, उत्पादों आदि को इनोवेटर्स के अधिकारों के उल्लंघन से बचाया जा सके। छात्रों को पैम्पलेट डिजाइन करने का अभ्यास भी कराया गया। सत्र का समापन छात्रों के बीच खुली चर्चा के साथ हुआ। जिसमें छात्रों को राष्ट्र के विकास के लिए अभिनव समाधान लाने के लिए नए कौशल विकसित करने या हासिल करने के लिए प्रेरित किया गया।

डीपीएस में मनाया ग्रेजुएशन समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में प्रस्तुति देते डीपीएस के विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

दिल्ली पब्लिक स्कूल में छात्रों के लिए भव्य ग्रेजुएशन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। उन्होंने नृत्य, गीत और कविता पाठ के माध्यम से मनोरंजन किया। विद्यार्थियों को अगली कक्षा में पदोन्नत होने पर बधाई देते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गई। दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ समारोह का शुभारंभ हुआ। प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को उनके कठिन परिश्रम और उपलब्धियों के लिए बधाई दी। साथ ही भविष्य में भी इसी तरह सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। विभिन्न कक्षाओं के छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को विशेष सम्मान दिया गया।

जेजेपी की प्रदेश स्तरीय बैठक में पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की

संगठन मजबूती पर जेजेपी का फोकस, जिलाध्यक्षों की जल्द होगी घोषणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। बैठक के उपरांत पत्रकार वार्ता को संबोधित करते अजय सिंह चौटाला।

झज्जर। बैठक के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों को संबोधित करते दुष्यंत सिंह चौटाला।

शनिवार को आयोजित जेजेपी की प्रदेश स्तरीय बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर अजय सिंह चौटाला, पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला सहित पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने संगठन नवनिर्माण के लिए बनाए गए सभी जिला प्रभारियों के साथ विस्तारपूर्वक चर्चा करके फीडबैक लिया।

बैठक में जेजेपी ने पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की और केंद्र सरकार से आतंकवाद पर कड़ा प्रहार करने की मांग की। साथ ही जेजेपी ने हरियाणा में बरसात, ओलावृष्टि, आगजनी से पीड़ित किसानों को जल्द उचित मुआवजा देने की मांग राज्य सरकार से की। बैठक के बाद पत्रकारों से रूबरू होते हुए डॉक्टर अजय सिंह चौटाला ने कहा कि जेजेपी अपने मेहनती साथियों को अहम जिम्मेदारियां सौंपेगी और नवनियुक्त पदाधिकारी फील्ड में उतरकर संगठन मजबूती के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा कि गांवों और शहरों में चौधरी देवीलाल की सोच से जुड़े सभी लोगों, संगठन के पुराने साथियों और नए लोगों को पार्टी के साथ जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि युवाओं की नई ऊर्जा और वरिष्ठ नेताओं के अनुभव के सहयोग से जेजेपी प्रत्येक क्षेत्र में अपनी पकड़ बनाएगी और मजबूती के साथ प्रदेश की जनता की आवाज उठाएगी। उन्होंने कहा कि जेजेपी ही एकमात्र ऐसा विकल्प है जो चौधरी देवीलाल की सोच को दोबारा हरियाणा में लाकर जनहित में काम करके दिखा सकती है। उन्होंने कहा कि जेजेपी ने संगठन मजबूती पर फोकस करते हुए संगठन नवनिर्माण की प्रक्रिया में तेजी लाई है।

जल्द ही जेजेपी मुख्य पदाधिकारियों और सभी जिलों में जिलाध्यक्षों की घोषणा करेगी।

ये रहे मौजूद

इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष बृज शर्मा, डॉक्टर केसी बांगड, राजेंद्र लितानी, दिग्विजय सिंह चौटाला, पूर्व विधायक अमरजीत ढांडा, राजदीप फौगाट, राकेश जाखड़, उपेंद्र कादियान, विकास पाराशर सहित अन्य भी मौजूद रहे।

टास्क के नाम पर साढ़े 5 लाख रुपए ठगे

बहादुरगढ़। टेलीग्राम एप पर टास्क देकर कानोंदा निवासी शिकायकर्ता से करीब साढ़े 5 लाख रुपए ठग लिए गए। दरअसल, कानोंदा निवासी वंशिका के मोबाइल पर एक मैसेज आया कि घर बैठे रुपए कमाने के लिए टेलीग्राम पर टास्क परफार्म करें। मैसेज का अनुसरण कर उसने व्यक्तियों द्वारा दिए गए टास्क पूरा करने शुरू कर दिए। शुरुआत में ठगों ने उसके खाते में 3 ट्राजेक्शन करके 5 हजार 840 रुपए भेजे थे।

इससे प्रभावित होकर उसने 30 मार्च से 18 अप्रैल तक अपने बैंक खाते से अलग-अलग ट्राजेक्शन करके 5 लाख 47 हजार 700 रुपए भेज दिए। इस तरह उसके साथ 5 लाख 41 हजार 860 रुपए की ठगी हो गई। जब पीड़िता ने शिकायत दर्ज करवाने की धमकी दी तो आरोपियों ने व्हाट्सएप के माध्यम से भेजे गये बैंक खातों की डिटेल भी डिलीट कर दी।

खबर संक्षेप

बंद पड़ी एचटी लाइन चोरी, केस दर्ज

बहादुरगढ़। अज्ञात चोरों ने बुपनिया उपमंडल के निकट बंद पड़ी एचटी लाइन चुरा ली। बहादुरगढ़ के 132 केवी से निकली सब डिविजन बुपनिया की 33 केवी लाइन पिछले कुछ समय से बंद थी। क्योंकि आपात स्थिति में गांव नूना माजरा से सप्लाई लेने के लिए इस लाइन का प्रयोग किया जाता था। पेट्रोलिंग के दौरान 21 अप्रैल को लाइन स्टाफ ने पाया कि 33 केवी लाइन का तार सब स्टेशन से हुडा नहर तक चोरी हो गई। जेई कुलदीप सिंह के अनुसार इस कारण निगम को लगभग एक लाख 95 हजार 48 रुपए का आर्थिक नुकसान हुआ है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 305 के तहत अभियोग दर्ज किया है।

भट्ठे के ऑफिस से सामान चुराया

बहादुरगढ़। गांव एमपी माजरा में स्थित ओम भट्ठा के दफ्तर से अज्ञात चोर कीमती सामान चुरा ले गए। गुरुग्राम निवासी सन्नी के अनुसार 23 अप्रैल को भट्ठे के ऑफिस से एक एलईडी, 2 इंवर्टर, 4 बैटरी, एक एयर कंडिशनर, 3 मोटरें, एक डीवीआर, एक गैस सिलेंडर आदि सामान चोरी हो गया। बादली थाना पुलिस द्वारा शिकायत के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ बीएनएस की धारा 305 के तहत अभियोग अंकित किया गया है।

सेवादार देवेंद्र जून का बीमारी के कारण निधन

झज्जर। जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय में पिछले कई सालों से सेवादार के पद पर

कार्यरत गांव लोवा खुर्द निवासी देवेंद्र जून का बीमारी के कारण शुक्रवार की रात निधन हो गया। करीब 44 वर्षीय देवेंद्र पिछले एक सप्ताह से अस्वस्थ चल रहे थे और रोहतक के एक प्राइवेट अस्पताल में उपचाराधीन थे। शुक्रवार की रात को उन्होंने अंतिम सांस ली। शनिवार को उनके पैतृक गांव लोवा खुर्द में गमगीन माहौल में दिवंगत देवेन्द्र का अंतिम संस्कार कर दिया गया। सेवादार देवेंद्र जून के निधन पर डीआईपीआरओ सतीश कुमार, गुरुग्राम के डीआईपीआरओ बिजेंद्र कुमार, अधीक्षक धर्मवीर सिंह गुलिया, एआईपीआरओ मनप्रीत सिंह व अश्वनी कुमार,लेखाकार सतीश कुमार,आईसीए मनमोहन, रविंद्र, धन सिंह, शीतल रानी सहित समस्त स्टाफ सदस्यों व मौजिज व्यक्तियों ने गहरा शोक प्रकट करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए।

बाल विवाह रोकने के लिए प्रशासन अलर्ट

झज्जर। डीसी प्रदीप दहिया ने बताया कि बाल विवाह एक सामाजिक कुप्रथा है बल्कि

अधिनियम 2006 के अनुसार बाल विवाह कानूनी अपराध है। उन्होंने बताया कि अक्षय तृतीया के अवसर पर विवाह करवाने वाले पुजारी, पाठी, गांव के पंच, सरपंच, नंबरदार व शहरों में नगर पार्षदों एवं सामुदायिक केंद्र, सार्वजनिक भवन, बैंकट हाल पर नजर रखी जाएगी।

जिला पुलिस आयुक्त ने अधिकारियों के साथ बैठक में दिए निर्देश

सड़क सुरक्षा के नियमों की अनदेखी करने वालों को सहन नहीं करेंगे

ऑटो चालक को अपने निर्धारित लाइन में ही चलना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ⏭झज्जर

झज्जर। बैठक के दौरान आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए जिला पुलिस आयुक्त डॉक्टर राजश्री सिंह। *फोटो: हरिभूमि*

शनिवार को जिला पुलिस आयुक्त डॉक्टर राजश्री सिंह द्वारा यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें यातायात पर्यवेक्षण अधिकारी दिनेश कुमार, यातायात प्रबंधक बहादुरगढ़ विकास कुमार, केएमपी थाना प्रबंधक महेश कुमार, सड़क सुरक्षा सेल प्रभारी सतीश कुमा, सुमित कुमार एक्सईन पीडब्ल्यूडी, अनिल रोहिल्ला एक्सईन पीडब्ल्यूडी बहादुरगढ़, प्रासन्ना आर शर्मा व विक्रमजीत ने भाग लिया। पुलिस आयुक्त ने यातायात प्रबंधक और एसीपी को निर्देश देते हुए कहा कि शहर में कहीं पर भी जाम की स्थिति नहीं बननी चाहिए।

रोड पर रेहड़ी नहीं होनी चाहिए क्योंकि इससे यातायात व्यवस्था में भीड़भाड़ और सुरक्षा संबंधी समस्याएं होती हैं। उन्होंने कहा कि ऑटो चालक को अपने निर्धारित लाइन में ही चलना चाहिए। इससे यातायात व्यवस्था में सुधार होता है और दुर्घटनाओं की संभावना कम हो जाती है। इसके अलावा उन्होंने युवाओं से हेलमेट, सीट बेल्ट का उपयोग, गति सीमा का पालन, शराब पीकर गाड़ी न चलाना और यातायात नियमों की पालना करने की अपील की। इस मौके पर अधिकारी मौजूद रहे।

सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के दिए निर्देश

झज्जर। शनिवार को डीसीपी लोगेश कुमार ने सभी एसीपी, थाना प्रबंधक और चौकी प्रभारियों के साथ मीटिंग करते हुए शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धर्म अथवा किसी अन्य गतिविधि के माध्यम से समाज में घृणा व अफवाह फैलाने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि कुछ लोग व्हाट्सएप, ट्विटर,फेसबुक इंस्टाग्राम, यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया साइट पर आमजन को गुमराह करते हैं इसलिए ऐसे लोगों को सूचीबद्ध करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक थाना प्रभारी अपने-अपने थाना क्षेत्र में पूरी तरह से सक्रिय रहे तथा सोशल मीडिया पर अपनी नजर बनाए रखें ताकि समाज के सभी लोगों का आपसी भाईचारा कायम रहे।

झज्जर। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए संस्था सदस्य।

महिलाओं को बताए सभ्यता और संस्कृति के गुण

- सेवा भारती की ओर से बस्ती जागरण का आयोजन किया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭झज्जर

उपमंडल बादली में सेवा भारती की ओर से बस्ती जागरण का आयोजन किया गया। इस दौरान सैकड़ों महिलाओं ने भजन कीर्तन किया। महिलाओं ने गांव के आराध्य देव दादा मोहनदास व दादा सारंगदेव की शब्द वाणी गाकर उनकी महिमा का गुणगान किया।

मां भारती की प्रतिमा पर पुष्पार्पित करने के साथ शुरू हुए इस कार्यक्रम में संस्था से कुलबीर, डॉक्टर ज्योति, राकेश कुमार, हवा सिंह मलिक, सिलाई प्रशिक्षक कविता देवी, समर्थ किशोरी विकास व पवित्रा ने महिलाओं को संस्कृति एवं सभ्यता बारे विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हिंदू धर्म कितना सशक्त, कितना मजबूत, कितना पुरातन और सनातन धर्म है।

नई और आने वाली पीढ़ी को भी हमें हिंदू धर्म के संस्कार देने चाहिए। बस्ती जागरण का उद्देश्य हम सभी हिंदुओं को संगठित होकर समाज को हिंदू होने पर गर्व महसूस कराना है। इस दौरान पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले पर रोष व्यक्त किया गया और हमले में मारे गए शहीदों के लिए दो मिनट का मौन धारण कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

महिलाओं को किया नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक

- बाजितपुर में पुलिस की एक टीम द्वारा महिलाओं के साथ की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭झज्जर

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए एएसआई राखी। *फोटो: हरिभूमि*

शनिवार को क्षेत्र के गांव बाजितपुर में पुलिस की एक टीम द्वारा महिलाओं को नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक किया गया। एएसआई राखी ने महिलाओं को जागरूक करते हुए कहा कि आपको यह पता होना चाहिए कि आपका बच्चा क्या कर रहा है, कहीं वह गलत व्यक्तियों की संगत में पड़कर नशे की तरफ तो नहीं बढ़ रहा।

नशा खतरनाक : उन्होंने कहा कि अपनी भाग दौड़ भरी जिंदगी में कुछ समय अपने बच्चों के लिए भी निकालना चाहिए हो सके तो रात के समय इकट्ठा बैठकर खाना खाना चाहिए। इस दौरान बच्चों से उनके पूरे दिन के क्रियाकलाप के बारे में जानकारी प्राप्त करें और अपने बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार करें ताकि वह आपको सारी बातें बता दें। उन्होंने कहा कि नशा एक भयानक बीमारी है जो पूरे परिवार को ही तबाह कर देती है। इसलिए अपने बच्चों पर विशेष ध्यान रखें और उन्हें अच्छे संस्कार दें।

पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंपा शव

झज्जर। क्षेत्र के बेरी-दूबलधन मार्ग पर अज्ञात वाहन की टक्कर से हुई मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत मामले में शनिवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया। मामले के जांच अधिकारी जयपान सिंह ने बताया कि उन्हें शुक्रवार को सूचना मिली थी कि दूबलधन मार्ग पर अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान रोहतक जिले के भगवतीपुर निवासी अमित पुत्र गुलाब सिंह के तौर पर हुई है। पुलिस को दी शिकायत में रोहतक जिले के भगवतीपुर निवासी गुलाब सिंह ने बताया कि उसका बड़ा लड़का अमित शुक्रवार को मोटरसाइकिल पर अपने मामा के घर दूबलधन गया था। दोपहर करीब पौने तीन बजे उसे अपने अमित के एक्सीडेंट की सूचना मिली। इसके बाद वह अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ बेरी के अस्पताल पहुंचा जहां चिकित्सकों द्वारा अमित को मृत घोषित किया जा चुका था।

वैश्य कॉलेज की बैठक में शिक्षकों ने कई मुद्दों पर किया मंथन

- पदाधिकारियों ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की
- हमले में मारे गए लोगों की आत्मिक शांति के लिए मौन रखा

हरिभूमि न्यूज ⏭बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। वैश्य कॉलेज की बैठक में चर्चा करते कार्यकारिणी सदस्य।

शनिवार को शहर के वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय की कार्यकारिणी समिति की बैठक हुई। कॉलेज प्रधान मनीष जिंदल की अध्यक्षता में हुई बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की। दो मिनट का मौन धारण करके हमले में मारे गये व्यक्तियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बैठक में कार्यकारिणी समिति की वीसी नोमिनी डॉ दिव्या, पदेन सचिव प्राचार्या डॉ. राजवंती शर्मा, डीएचई प्रतिनिधि डॉ. अलका गुलाटी, महासचिव आशीष कुमार, प्रबंधक यशपाल गांधी, अतिरिक्त उप प्रधान राजपाल शर्मा, सदस्य जगमोहन गुप्ता, अजय कुमार, असीम गांधी, डॉ. शालू शर्मा, डॉ. मनजीत आदि उपस्थित रहे।

बैठक में महाविद्यालय में नियमित टीचिंग व नॉन टीचिंग स्टाफ के रिक्त पदों को भरने, 2025-26 में एमए इतिहास व राजनीति विज्ञान के साथ ही एकीकृत पाठ्यक्रम बीए-बी.एड, बीकॉम बीएड व बीएससी बी.एड. शुरू करने के बारे में प्रस्ताव पारित किए गए। प्राचार्या डॉ राजवंती शर्मा ने सभी रिक्त पदों व नये पाठ्यक्रमों को शुरू करने के लिए महाविद्यालय द्वारा उठाए गए कदमों से सभी को परिचित करवाया। इन कदमों से छात्राएं अधिक लाभान्वित होंगी।

बहादुरगढ़। कमरों के निर्माण का शुभारंभ करते विधायक राजेश जून।

राजकीय स्कूल में बनेंगे तीन नए कमरे

बहादुरगढ़। शहर के रेलवे रोड स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में तीन नए कमरे बनेंगे। विधायक राजेश जून ने शनिवार को नारियल फोड़कर इन कमरों के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इन तीन कमरों का निर्माण तय मानकों के अनुसार पूरा किया जाए। विधायक राजेश जून ने मौके पर मौजूद जेई अजय छिकारा से कमरों के निर्माण कार्य में लगने वाली सामग्री की गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखने की हिदायत दी। जून ने कहा कि सरकारी स्कूलों में कमरों की कमी की समस्या को दूर करने का काम किया जा रहा है। जिन स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए कमरों की कमी है, उन स्कूलों में नए कमरे बनाए जा रहे हैं। ताकि शिक्षा ग्रहण करने के लिए स्कूल में आने वाले विद्यार्थियों को बैठने के लिए जगह की कमी ना रहे। उन्होंने प्रधानाचार्या मंजू रानी व वाइस प्रिंसिपल ऋषि सहरावत से भी कमरों के निर्माण कार्य में लगने वाली सामग्री पर नजर रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर पार्षद सचिन दलाल, पूर्व पार्षद युवराज छिल्लर भी मौजूद रहे।

पीटीएम में दी शैक्षणिक रिपोर्ट

- गंगा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एडं मैनेजमेंट में मीटिंग

हरिभूमि न्यूज ⏭झज्जर

झज्जर। शिक्षकों से मिलकर अपने बच्चों की शैक्षणिक रिपोर्ट लेते हुए अभिभावक।

गंगा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एडं मैनेजमेंट कबलाना में इंजीनियरिंग एंड कंप्यूटर एप्लीकेशन और मैनेजमेंट विभाग के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के साथ पेरंटस टीचर्स मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग में अभिभावकों ने बड़ी संख्या में पहुंच कर विभिन्न विभागाध्यक्षों व प्राध्यापकों से अपने-अपने बच्चों की शैक्षणिक प्रगति की जानकारी हासिल की। संस्था के निदेशक प्रोफेसर डॉक्टर अमन अग्रवाल ने अभिभावकों को जहां पीटीएम के महत्व से अवगत कराया वहीं विद्यार्थियों को अपने विषय में पारंगत होने, अनुशासित होने के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अभिभावकों के साथ पेरंटस टीचर्स मीटिंग का आयोजन होता रहेगा। इस मौके पर संस्थान के रजिस्ट्रार इंजीनियर विवेक अरोड़ा, विभागाध्यक्ष डॉक्टर पूनम हुड्डा, डॉक्टर अनुराग जैन व इंजीनियर जितेंद्र सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। होनहार विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए मुख्यातिथि उषा एवं हंसबीर कोडान।

होनहार विद्यार्थियों को किया सम्मानित

झज्जर। गंगा इंटरनेशनल स्कूल कबलाना में शनिवार को वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान वर्ष 2024- 2025 में आयोजित विभिन्न शैक्षणिक, खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धियों और योग्यता के अनुसार स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या शिल्पी चड्ढा ने की। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित कबलाना ग्राम सरपंच उषा व सरपंच प्रतिनिध हंसबीर कोडान ने विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेलों में भागीदारी के लिए प्रेरित किया। प्राचार्या शिल्पी ने भी विद्यार्थियों की सफलता पर अभिभावकों को बधाई दी।

झज्जर। ओलंपियाड के विजेता विद्यार्थियों के साथ निदेशक धर्मेंद्र जून।

अंतरराष्ट्रीय नेशनल ओलंपियाड में विद्यार्थियों ने जीता गोल्ड मेडल

झज्जर। कैंब्रिज इंटरनेशनल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भदाना के कई विद्यार्थियों ने अंतर्राष्ट्रीय नेशनल मैथ्स ओलंपियाड में गोल्ड मेडल हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। स्कूल निदेशक धर्मेंद्र जून ने बताया कि गोल्ड मेडल हासिल करने वाले विद्यार्थियों में तीसरी कक्षा से दक्ष, चौथी से सानवी, छठी से गीत, सातवीं से आरोही, दसवीं से अरमान, जतिन व जिज्ञासा शामिल हैं। इनके अलावा देव, कुनाल, विराज, देवांशु, ध्रुव, भूमित, गर्वित, मानवी, निधि, देव, दिमांशी, इशांत, मयंक, प्रतीक, प्रिंस, लक्ष्मी, नव्या, प्रियांशु, तुषार, अदिति, एकांक्ष, लक्की, निपुण, शुभम नेहरा, खुशी, लक्ष्य, साक्षी, तानिया, वंशिका, विनय, यश आदि ने भी अच्छी रैंक हासिल की। उन्होंने उत्तीर्ण विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए इस प्रकार की परीक्षाओं में बढ़ चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

राजकीय महाविद्यालय बिरोहड में विदाई समारोह का आयोजन

ललित मिस्टर फेयरवेल व मोनिका को बनी मिस फेयरवेल

हरिभूमि न्यूज ⏭झज्जर

राजकीय महाविद्यालय बिरोहड़ में बीए तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। प्राचार्या डॉक्टर अनीता फौगाट की अध्यक्षता में आयोजित इस विदाई समारोह के दौरान ललित को मिस्टर फेयरवेल व मोनिका को मिस फेयरवेल चुना गया।

प्राचार्या ने दी बधाई

प्राचार्या डॉक्टर अनीता फौगाट ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए विदा होने वाले सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर डॉक्टर सुरेंद्र, रश्मि, पवन कुमार, डॉक्टर राजपाल, रीना, अजय कुमार, पवन, सहायक प्रोफेसर प्रदीप कुमार सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

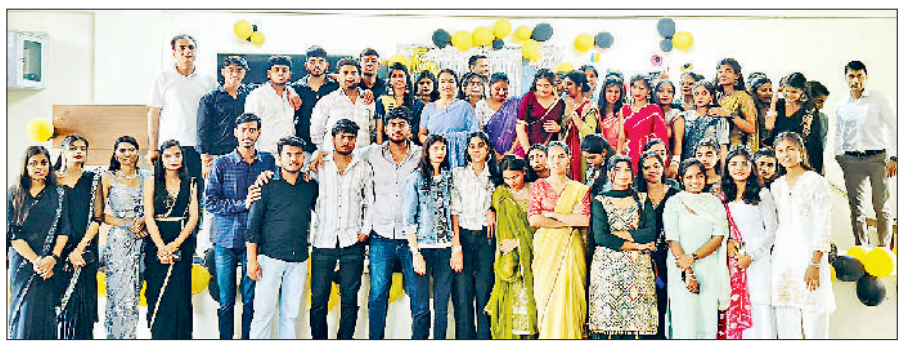

झज्जर। फेयरवेल पार्टी के दौरान विद्यार्थियों के साथ उपस्थित प्राचार्या डॉक्टर अनीता फौगाट। *फोटो: हरिभूमि*

सुलेख प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

झज्जर। एल.ए.सी.सै.स्कूल झज्जर में सुलेख प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हिंदी सुलेख प्रतियोगिता में कक्षा फर्स्ट से व नौवीं के बच्चों ने भाग लिया। विजेता बच्चों को स्कूल प्रबंधक के.एम.डागर व स्कूल प्राचार्या निधि कादयान ने पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। हिंदी प्राध्यापिका सुदेश व पूनम गुलिया ने बच्चों की लेखन विधि को जाँचा। साथ में सुलेख के महत्व को समझाने के लिए अच्छी लेखन विधि को अपनाने को लेकर बच्चों को प्रेरित किया। स्कूल संचालक जगपाल गुलिया,जयदेव दहिया,अनिता गुलिया,नीलम दहिया ने अच्छी लिखाई करने को लेकर बच्चों को जागरूक किया। इस अवसर पर स्कूल एचओडी रविंद्र लोहचब ,पिंकी अहलावत,पुष्पा यादव के साथ डीपीई अमित लोहचब, संजीत सांगवन, भूगोल प्राध्यापक मुकेश शर्मा, म्यूजिक टीचर जितेंद्र आदि उपस्थित रहे।

नौनिहालों ने लिया वेलकम पार्टी का आनंद

झज्जर। आदर्श सीनियर सैकेंडरी स्कूल दादनपुर में शनिवार को नर्सरी, प्री-नर्सरी और केजी कक्षा के विद्यार्थियों के लिए एक वेलकम पार्टी का आयोजन किया गया। पार्टी को खास बनाने के लिए विद्यार्थियों को अपने प्यारे टेडी बियर्स के साथ आमंत्रित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने अपने टेडी बियर्स के साथ खेलों, गानों और विभिन्न गतिविधियों का भरपूर आनंद लिया। बच्चों की मुस्कान, रंग-बिरंगे टेडी बियर्स और खूबसूरत सजावट ने स्कूल परिसर को एक आनंदमय वातावरण से भर दिया।

खबर संक्षेप

30 का राजपत्रित अवकाश रद

झज्जर। हरियाणा में अब आगामी 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया पर राजपत्रित अवकाश नहीं होगा। डीसी प्रदीप दहिया ने बताया कि मानव संसाधन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि 26 दिसंबर 2024 को जारी अधिसूचना में आंशिक संशोधन करते हुए, अक्षय तृतीया के उपलक्ष्य में घोषित राजपत्रित अवकाश को रद्द किया जाता है।

ट्रक की टक्कर से दो घायल, केस दर्ज

झज्जर। क्षेत्र के गांव वजीरपुर में एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे खड़े युवक-युवती को घायल कर दिया। पुलिस को दी शिकायत में मूल रूप से बहराना गांव निवासी सोनिया ने बताया कि वह एमडीयू से पीएचडी कर रही हैं। बीती 24 अप्रैल को वह रोहतक निवासी सतपाल के साथ बेरी क्षेत्र में सर्वे के लिए आई थी। जब वे वजीरपुर गांव में अपनी स्कूटी को सड़क किनारे खड़ी करके संतर में खड़े हुए थे तो एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार कर घायल कर दिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

केएमपी पर हादसे में चालक की मौत

बहादुरगढ़। केएमपी एक्सप्रेस-वे पर हुई एक सड़क दुर्घटना में पिकअप गाड़ी के चालक की मौत हो गई। दरअसल, कुलासी निवासी राजेश पिकअप गाड़ी में सामान भरकर बादली के लिए रवाना हुआ था। उसका बेटा मोहित भी अपनी मोटरसाइकिल पर उसके पीछे निकला। केएमपी पर डाबौदा के नजदीक एक कंटेनर तेज गति व लापरवाही से हाइवे पर खड़े ट्राले में टक्कर मारी। राजेश की गाड़ी भी कंटेनर से टकरा गई। मोहित ने अपने पिता को बाहर निकाला, लेकिन मौके पर ही उनकी मौत हो गई थी। पुलिस ने बीएनएस की धारा 106(1), 281 व 285 के तहत केस दर्ज किया है।

गाड़ी का शीशा तोड़ लैपटॉप चुराया

बहादुरगढ़। रोहतक रोड पर अज्ञात चोर एक गाड़ी का शीशा तोड़कर लैपटॉप समेत अन्य सामान चुरा ले गए। दरअसल, सेक्टर-2 निवासी मोहित सांगवान ने शनिवार को दावत रेस्टोरेंट के सामने अपनी गाड़ी खड़ी की थी। कुछ देर बाद वह वापिस लौटा तो गाड़ी का कंडेक्टर साइड का शीशा टूटा हुआ था और सीट पर रखा उसका लैपटॉप बैग गायब था। मोहित के अनुसार 2 लैपटोप, एक माउस, एक चार्जर, एक हैडफोन और एक एयरपोड चोरी हो गए। पुलिस ने बीएनएस की धारा 305 के तहत केस दर्ज किया है।

पराली जलाने वालों पर प्रशासन सख्त, पहाड़ीपुर में दो पर केस

अधिकारियों को पहाड़ी पुर में 15 से 20 एकड़ में कृषि अवशेष जले मिले

शेरियां में 300 से 400 एकड़ में पराली जली, कार्रवाई की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

जिला प्रशासन द्वारा फसल अवशेष जलाने पर प्रतिबंध के बावजूद कुछ किसानों द्वारा आदेशों की अवहेलना की जा रही है। ऐसे में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा जिले के विभिन्न गांवों में खेतों की निगरानी की जा रही है तथा नियमों की अवहेलना करने वाले लोगों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। इसी कड़ी में जिले के दो लोगों पर फसल अवशेष जलाने के संबंध में मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस को दी शिकायत में कृषि विभाग बेरी के एग्रीकल्चर सुपरवाईजर मदन सिंह ने बताया कि शुक्रवार को जब वह हलका पटवारी सज्जन सिंह व ग्राम सचिव संदीप पहाड़ीपुर के साथ आगजनी की घटनाओं पर निगरानी के लिए पहाड़ीपुर गांव का निरीक्षण कर रहे थे तो वहां 15 से 20 एकड़ भूमि पर आगजनी की घटना पाई गई। निरीक्षण में पाया गया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने सरकारी आदेशों की अवहेलना करके गेहूं फसल के अवशेषों में आगजनी की है। दूसरी घटना में एग्रीकल्चर सुपरवाईजर मोहित ने बताया कि जब वह शनिवार को आगजनी की घटनाओं पर निगरानी के लिए शेरिया गांव गया हुआ था। तो वहां 300 से 400 एकड़ में फसल अवशेष जलाए गए थे। निरीक्षण में पाया गया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने सरकारी आदेशों की अवेलना करके गेहूं फसल के अवशेषों में आगजनी की है। पुलिस ने कृषि अधिकारियों की शिकायत के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए नियमानुसार जांच शुरू कर दी है।

झज्जर। रोहतक मार्ग पर मदाना गांव के नजदीक जलते हुए फसल अवशेष।

यहां -यहां लगाई आग

सरकारी आदेशों के बावजूद लोग फसल अवशेष जलाने से बाज नहीं आ रहे। शुक्रवार को रोहतक रोड पर बिरधाना, मदाना, शेरिया, डीघल आदि गांवों के आस-पास के खेतों में फसल अवशेष जलाए हुए थे। बता दें कि इन आगजनी की घटनाओं से जहां वातावरण प्रदूषित होता है, वहीं भूमि की उपजाऊ क्षमता पर भी असर पड़ता है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के बीएओ डॉक्टर अशोक रोहिल्ला ने किसानों से आह्वान किया कि वे रबी फसल की कटाई होते ही फसल अवशेषों को जलाने की बजाए अपने खेतों में मिलाए तथा अपने खेत ग्रीष्मकालीन मूंग अथवा ढैंचा की बिजाई कर खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाएं।

जिले की मंडियों में लिफ्टिंग ने तेजी पकड़ी

झज्जर। डीसी प्रदीप दहिया ने बताया कि जिले भर की मंडियों में लिफ्टिंग कार्य तेजी से चल रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को खरीदी गई उपज के उठान की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि जिला की मंडियों में एक लाख 57 हजार 919 एमटी गेहूं की खरीद की गई है और अब तक 1 लाख 90 हजार 750 मीट्रिक टन गेहूं की आवक हुई है। एक लाख 1 हजार 493 मीट्रिक टन गेहूं का उठान हो चुका है। इसी प्रकार 32 हजार 95 एमटी सरसों खरीद की जा चुकी है, जबकि 34 हजार 380 मीट्रिक टन सरसों की आवक दर्ज की गई है। वहीं 29 हजार 527 मीट्रिक टन सरसों का उठान हो चुका है।

खतरा : हर वर्ष जलाए जा रहे 92 मिलियन टन अवशेष

44 से 98 हजार की समयपूर्व मृत्यु का कारण बन रहा प्रदूषण

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

भारत में फसल कटाई के बाद खेतों में बचे हुए अवशेष जलाना आम बात है। इससे किसानों के साथ पूरी मानवता प्रभावित है। एक अनुमान के अनुसार भारत में प्रतिवर्ष लगभग 500 मिलियन टन फसल अवशेष उत्पन्न होता है, जिसमें से 140 मिलियन टन सरप्लस होता है। इसमें से करीब 92 मिलियन टन जलाया जाता है। इनमें धान और गेहूं की पराली सबसे अधिक जलाई जाती है। राजकीय महाविद्यालय छारा में भूगोल के सहायक प्रोफेसर डॉ. अश्वनी कुमार के अनुसार अवशेष जलाने से कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, मीथेन और नाइट्रस ऑक्साइड जैसी गैसें निकलती हैं। ये जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा देती हैं। फसल अवशेष जलाने से मिट्टी में 0.824 मिलियन टन नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटैशियम की हानि होती है, जिससे मिट्टी की उर्वरता और जैविक पदार्थ कम होते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार 2003-2019 के बीच उत्तर भारत में प्रदूषण के कारण प्रति वर्ष 44 से 98 हजार लोगों की समयपूर्व मृत्यु हुईं। कोविड महामारी के दौरान पराली जलाने की घटनाओं में 60 फीसद वृद्धि दर्ज की गई थी। इसे रोकने के लिए सरकार, किसान और आम नागरिक को अपनी भूमिका निभानी होगी। अवशेष जलाने से मिट्टी में उपस्थित सूक्ष्मजीव मर जाते हैं। इससे फसल की गुणवत्ता और उत्पादन दोनों प्रभावित होते हैं। इससे मिट्टी की बनावट भी खराब हो जाती है। इससे होने वाला धुआं आंख और त्वचा संबंधी बीमारियां बढ़ाता है। फसल अवशेष जलाने से भारी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड और अन्य हानिकारक गैसें वातावरण में फैलती हैं। इससे धरती का तापमान बढ़ता है और जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा मिलता है। सूखा, बाढ़ और अनियमित बारिश जैसी समस्याएं बढ़ती हैं। खाद्य श्रृंखला और प्राकृतिक संतुलन को प्रभावित करता है। स्मॉग की वजह से जनजीवन प्रभावित होता है और सड़कों पर दुर्घटनाएं बढ़ती हैं। जल संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। मिट्टी की ऊपरी परत कमजोर होने के साथ भूमि बंजर हो जाती है। जल प्रदूषण बढ़ता है। यह धरती के समग्र पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचाता है।

बहादुरगढ़। खेतों में जलाए गए फसल अवशेष।

टिकाऊ प्रबंधन को बढ़ावा : प्रो. अश्वनी

असिस्टेंट प्रोफेसर अश्वनी कुमार ने बताया कि सरकार ने फसल अवशेष जलाने पर रोक लगाने और टिकाऊ प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए नीतियां बनाई हैं। मशीनरी पर सब्सिडी दी गई। इसके तहत 2018 से 2020 के दौरान 11.51 बिलियन रुपए की योजना शुरू की गई। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में 29 हजार 488 मशीनें वितरित की गईं। राष्ट्रीय हरित अधिकरण और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड उपग्रह निगरानी और जुर्माने के माध्यम से इस पर नियंत्रण कर रहे हैं। सरकार बायोगैस संयंत्रों को बढ़ावा दे रही है। वर्तमान में 56 बायोगैस-आधारित पावर प्लांट और 400 ऑफ-ग्रिड बायोगैस प्लांट संचालित हैं। उनका मानना है कि अप्रैल 2025 में हरियाणा और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में पराली जलाने के खिलाफ सख्ती बढ़ी है। क्षेत्रीय स्तर पर जागरूकता अभियान और लॉजिस्टिक्स सुधार से इस समस्या को कम किया जा सकता है।

राशि हैड गर्ल व उत्तम हैड ब्वॉय बना

बहादुरगढ़। लाइनपार के शक्ति विद्या मंदिर हाई स्कूल में मतदान प्रक्रिया को लेकर जागरूकता कार्यक्रम हुआ। इस दौरान विद्यार्थियों ने राशि को हैड गर्ल व उत्तम को हैड ब्वॉय चुना। वहीं इशिका को वाइस हैड गर्ल व लक्ष्य को वाइस हैड ब्वॉय चुना गया। स्कूल निदेशक प्रवीण कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों को लोकतंत्र में चुनाव के महत्व के बारे में जागरूक किया। विद्यार्थियों को नागरिकों के मौलिक अधिकार व वोटर कार्ड के बारे में विस्तार से बताया। हर चुनाव में मताधिकार का प्रयोग जरूर करने का आह्वान किया। पूनम, सुमित्रा, तरुण कौशिक, पायल, उर्मिला, नीरज, सरिता, अंजनी, शारदा व कीर्ति शर्मा ने भी विद्यार्थियों को मताधिकार के बारे में बताया।

शूटिंग चैंपियनशिप में एचडी के शूटर यशदेव ने जीता 'गोल्ड'

झज्जर। एचडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साल्हावास की दसवीं कक्षा के छात्र यशदेव तंवर ने राजस्थान के अजमेर में आयोजित 11वीं सम्राट पृथ्वीराज चौहान मैमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर संस्थान व जिले का नाम रोशन किया है। शूटिंग कोच सुदेश झांसवा ने बताया कि 21 से 24 अप्रैल तक आयोजित इस प्रतियोगिता में विद्यालय की दसवीं कक्षा के छात्र यशदेव तंवर ने 10 मीटर एयर पिस्टल में सर्वाधिक 383 अंक प्राप्त कर गोल्ड मेडल जीता। इससे पहले उसने जहां बहादुरगढ़ में आयोजित अभिनव बिंद्रा शूटिंग चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीता था वहीं वर्ष 2024 में उसने नेशनल के लिए क्वालिफाई करके क्षेत्र का मान बढ़ाया था। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर एचडी ग्रुप के डायरेक्टर रमेश गुलिया ने बताया कि मात्र 4 वर्ष पहले बनी विद्यालय की शूटिंग रेंज से प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार हो रहे हैं। इस उपलब्धि पर एचडी ग्रुप सचिव विशाल नेहरा, हेमंत गुलिया व प्राचार्य सतबीर सिंह ने यशदेव को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

पूर्व सैनिकों बोले- सरकार आतंक फैलाने वालों से सख्ती से निपटे

बहादुरगढ़। कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों पर हमले के खिलाफ पूर्व सैनिकों ने शनिवार को बैठक करके आतंकवाद को कुचलने के लिए सरकार का साथ देने का वादा किया। साथ ही सरकार से आतंकवाद को सख्ती से कुचलना की मांग की। दो मिनट का मौन रखकर मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। बैठक से पहले पूर्व सैनिकों ने शहर में प्रदर्शन किया। त्रिवेणी पूर्व सैनिक संगठन की अगुवाई में किए गए प्रदर्शन के दौरान पूर्व सैनिकों ने भारत माता के जयकारे लगाए और पाकिस्तान व आतंकवाद मुर्दाबाद के नारे लगाए। उन्होंने एसडीएम कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा। संगठन के प्रधान श्रीनिवास छिकारा ने पहलगाम में 28 निर्दोष पर्यटकों की जान लेने के दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग की। विजय कुमार कालीरमन, जगमोहन, महेंद्र सिंह, उमेद सिंह, जयपाल सिंह, धर्मवीर कादयान व अन्य मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

पशुधन हमारी आजीविका, सांस्कृतिक और भावनात्मक विरासत का अंग : डॉ. महिपाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

संस्कारम्-विश्वविद्यालय में शनिवार को विश्व पशु चिकित्सा दिवस पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित इस व्याख्यान कार्यक्रम में पशु चिकित्सा क्षेत्र के महत्व, पशुधन की सुरक्षा, और मानवीय कल्याण में पशु चिकित्सकों की भूमिका पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के चांसलर डॉक्टर महिपाल ने की, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में सेवानिवृत्त कर्नल सुधीर कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत व दीप प्रज्वलन से हुई। चांसलर डॉक्टर महिपाल ने कहा कि विश्व पशु चिकित्सा दिवस हम सभी को यह स्मरण कराता है कि पशु न केवल हमारी आजीविका के आधार है बल्कि हमारी सांस्कृतिक और भावनात्मक विरासत का भी अभिन्न हिस्सा है।

पशु चिकित्सक समाज में ऐसे कर्मयोगी हैं जो मूक प्राणियों के स्वास्थ्य, मानव सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण के रक्षक हैं। संस्कारम् विश्वविद्यालय इस संकल्प के साथ कार्य कर रहा है कि ऐसे चिकित्सकों को तैयार किया जाए जो ज्ञान, करुणा और कर्तव्यनिष्ठा के प्रतीक बनें। आज के बदलते वैश्विक परिवेश में पशुजन्य रोगों का नियंत्रण, पशुधन उत्पादन में वृद्धि और खाद्य आपूर्ति श्रृंखला की सुरक्षा में पशु चिकित्सकों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है।

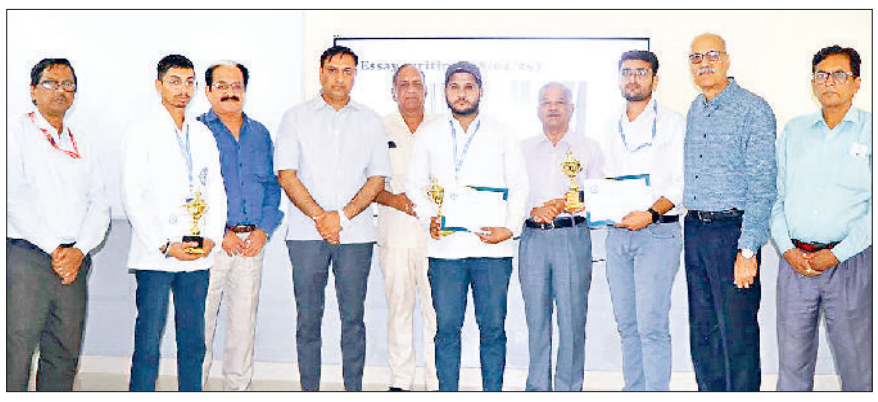

झज्जर। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों के साथ चांसलर डॉक्टर महिपाल।

राष्ट्रीय जिम्मेदारी : कर्नल सुधीर कुमार

मुख्य वक्ता कर्नल सुधीर कुमार ने अपने विशेष व्याख्यान में कहा कि पशु चिकित्सा केवल चिकित्सा विज्ञान नहीं, यह एक राष्ट्रीय जिम्मेदारी है। रक्षा सेवाओं में उनके अनुभव ने यह स्पष्ट किया कि पशु चिकित्सकों की भूमिका सैन्य अभियानों में भी अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। ये चिकित्सक केवल रोगों का उपचार नहीं करते, बल्कि सैनिकों के मनोबल, अभियान की गति और संरचनात्मक सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बताया कि आज पशुजन्य बीमारियां जैसे जूनोटिक रोग, वैश्विक स्वास्थ्य संकट का कारण बन रही हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि पशु चिकित्सा के क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और वैश्विक योगदान की असीम संभावनाएं हैं, जिन्हें पहचानने और अपनाने की आवश्यकता है। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया।

जिप चेयरमैन ने सुनीं लोगों की समस्याएं

झज्जर। कप्तान बिरधाना को ज्ञापन सौंपते हुए सेक्टरवासी।

झज्जर। शनिवार को जिप चेयरमैन कप्तान बिरधाना ने सेक्टर छह स्थित सीनियर सिटीजन क्लब का दौरा कर सेक्टरवासियों की समस्याएं सुनी। कार्यक्रम में पहुंचने पर बुजुर्ग सूरजभान ने पगड़ी पहना कर और सीनियर सिटीजन क्लब के प्रधान रणबीर और आरडब्ल्यूए प्रधान अरुण नांदल ने शाल भेंट करके उनका अभिनंदन किया। आरडब्ल्यूए प्रधान अरुण नांदल ने कप्तान बिरधाना को सेक्टर की सड़क निर्माण, पार्कों का रखरखाव, साफ-सफाई, और स्ट्रीट लाइट आदि समस्याओं से अवगत कराया। समस्याएं सुनने उपरांत कप्तान बिरधाना ने सकारात्मक आश्वासन देते हुए सीनियर सिटीजन क्लब की मरम्मत और रखरखाव के लिए 11 लाख रुपये का अनुदान, पार्क में ओपन जिम की स्थापना, गुरुग्राम रोड पर बस क्यू शेल्टर का निर्माण, गुरुग्राम रोड पर गेट के सामने डिवाइडर में कट, सेक्टर में साफ-सफाई के लिए कर्मचारियों की नियुक्ति किए जाने की घोषणा की। इसके अलावा उन्होंने कहा कि पार्कों के निर्माण और रखरखाव के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए जाएंगे तथा सड़क निर्माण और अन्य समस्याओं के समाधान के लिए भी संबंधित अधिकारियों से बात कर समाधान करवाया जाएगा।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 27 अप्रैल 2025

विशेष
अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस
29 अप्रैल

कवर स्टोरी
रेणु खंतवाल

पैरों की लय पर थिरकता स्वस्थ-आनंदमयी जीवन

वैसे तो अन्य कलाओं की तरह नृत्य भी कला का एक रूप है। लेकिन यह एक ऐसी कला है, जो ना केवल हमारे शरीर को स्वस्थ रखती है, मन को भी प्रसन्नता से भर देती है। कई ऐसे नर्तक-नृत्यांगनाएं हैं, जो वृद्धावस्था में भी पूरी ऊर्जा और उमंग के साथ थिरकते हैं, आंतरिक आनंद की लय के साथ जीवन जी रहे हैं। नृत्य के बहुआयामी लाभों के बारे में हमें जरूर जानना चाहिए।

पिछले साल जब 90 वर्ष की आयु में जानी-मानी अभिनेत्री और भरतनाट्यम नृत्यांगना वैजयंती माला ने अयोध्या आकर नवनिर्मित राम मंदिर में आयोजित भव्य कार्यक्रम में रामलला के समक्ष अपनी नृत्य प्रस्तुति दी तो लोग इस उम्र में उनके नृत्य, समर्पण और श्रद्धा देख कर सुखद आश्चर्य से भर उठे। लोग हैरान थे कि इस आयु में जहां इंसान बिना सहारा लिए ठीक से चल नहीं सकता, वहीं वैजयंती माला प्रभु श्रीराम के समक्ष नृत्य प्रस्तुत कर रही हैं। चर्चा उनकी शारीरिक, मानसिक फिटनेस और नृत्य की शक्ति की भी खूब हुई। नृत्य की इस शक्ति को लाखों-करोड़ों लोगों ने अपनी आंखों से देखा।

शरीर रहता है फिट-एनर्जेटिक

वैजयंती माला ही नहीं इस समय देश की कई प्रसिद्ध नृत्यांगनाएं ऐसी हैं, जो सात से ज्यादा दशक पार कर चुकी हैं लेकिन नियमित रूप से अपनी नृत्य प्रस्तुतियां दे रही हैं। इनमें उमा शर्मा और सोनल मान सिंह प्रमुख रूप से शामिल हैं। शोवना नारायण भी उम्र के 75वें पड़ाव पर हैं, लगातार नृत्य प्रस्तुतियां दे रही हैं। जब वे मंच पर नृत्य करती हैं तो ध्यान उनकी आयु की तरफ जाता ही नहीं। उनके नृत्य की लय, गति और परिक्रमा करने की फुर्ती में, युवाओं से कहीं कोई अंतर नहीं दिखता। इससे ही समझ सकते हैं कि नृत्य ने इन नृत्यांगनाओं को कितना फिट और एनर्जेटिक बना रखा है कि उम्र की थकान या धीमी पड़ती रफ्तार इनके आस-पास भी ठहर नहीं पाती। ये सभी लगभग रोज नृत्य करती हैं और अपने शिष्यों को भी सिखाती हैं।

एक बार अभिनेत्री-नृत्यांगना हेमा मालिनी ने भी मेरे साथ हुई बातचीत में बताया था, 'नृत्य मेरे जीवन का अभिन्न अंग है। मैं रोज नृत्य और योगाभ्यास करती हूं और यही मेरी फिटनेस का राज है। इससे मेरी बॉडी इतनी लचीली हो गई है कि आराम से आवश्यकतानुसार मोड़ सकती हूं। इसकी वजह से मैं शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहती हूं और अपने सभी कार्य अच्छी तरह से कर पाती हूं।'

होते हैं ये भी फायदे

वास्तव में नृत्य से इंसान को क्या-क्या फायदे होते हैं, इसकी लिस्ट बहुत लंबी है। नृत्य का संबंध जीवन के हर पहलू से जुड़ा होता है। समाज, देश, संस्कृति, जीवनशैली, रीति-रिवाज और पर्व-त्योहारों से भी नृत्य का कोई ना कोई रूप जुड़ा है। नृत्य से अनेक शारीरिक-मानसिक लाभ मिलते हैं। नृत्य से होने वाले शारीरिक फायदों के बारे में भरतनाट्यम नृत्यांगना सिंधु मिश्रा कहती हैं, 'नृत्य आनंद, मान प्रतिष्ठा के साथ-साथ शारीरिक बल और स्टेमिना बढ़ाता है। नृत्य से पूर्व के जो अभ्यास होते हैं, वे बॉडी को इस तरह टोन करते हैं कि शरीर बहुत मजबूत हो जाता है, खासतौर पर पैर, कंधे और बांहें।' सिंधु मिश्रा का यह कथन इस बात से प्रमाणित होता है कि आपको प्रायः सभी डांसर स्वस्थ ही मिलेंगे। आमतौर पर कभी किसी डांसर को यह कहते नहीं सुना जाता कि उसे फ्रोजन शोल्डर की दिक्कत है। कमर या घुटने दर्द कर रहे हैं। इस तरह नृत्य करने से स्वास्थ्य संबंधी अनेक फायदे होते हैं। इसीलिए डांस को एक थेरेपी की तरह भी यूज किया जाता है। इस बारे में युवा कथक नृत्यांगना पंखुड़ी श्रीवास्तव बताती हैं, 'जब मैं कथक केंद्र में कथक का प्रशिक्षण ले रही थी, तब हमारे गुरु पंडित कृष्ण मोहन महाराज जी ने हमें कहा था कि सुबह चार बजे उठ कर तीन-चार घंटे नृत्य का अभ्यास करके दिन की शुरुआत किया करो। इससे तन-मन हमेशा स्वस्थ रहेंगे। तब से यह नियम मेरे जीवन में अनुशासन के साथ सम्मिलित है।'

कैसे काम करती है डांस थेरेपी

आध्यात्मिक मनोचिकित्सक और रेकी ग्रैंडमास्टर दिलना राजेश कहती हैं, 'अकसर लोग मंच पर, शादी-ब्याह, पार्टी, समारोह में समूह में तो नाचते हैं। लेकिन मैं लोगों से पूछती हूं कि आप आखिरी बार अकेले में कब नाचे थे? जहां बस आप अकेले ही नाच रहे थे? एक खुली किताब की तरह अपनी भावनाओं में मस्त, मगन होकर उस आनंद को महसूस कर रहे थे, जो आपको एक अलग ही अनुभूति के संसार में ले जा रहा था? इसका जवाब अधिकांश लोग नकारात्मक ही देते हैं। उन्हें लगता है अकेले में कैसे नाच सकते हैं? दरअसल, इस बात को कम लोग ही जानते, महसूस करते हैं कि नृत्य हमें खुद से मिलाने का एक चमत्कारी रास्ता है। आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में हम अकसर अपनी भावनाओं को दबाते चले जाते हैं। घर-ऑफिस का तनाव हमें जकड़े रखता है। ऐसे में नृत्य, जिंदगी में वह खूबसूरत स्थान बनाता है, जहां हम सुरक्षित तरीके से आत्म-उपचार करते हैं। अपनी उस जकड़न से बाहर निकलते हैं। आधुनिक न्यूरोसाइंस कहता है- ट्रॉमा केवल दिमाग में नहीं, शरीर में भी रहता है। जबड़े की जकड़न से लेकर जांघों की स्टिफनेस आपके भीतर छिपे दर्द की गवाह है। लेकिन हम उसे समझ नहीं पाते। ऐसे में नृत्य उस बंद दरवाजे की चाबी की तरह धीरे-धीरे उसे खोलता है। जैसे-जैसे हमारा शरीर नृत्य शुरू करता है, हम एक लय और गति में थिरकने लगते हैं। हमारा शरीर एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज करता है।

इससे नर्वस सिस्टम रिलैक्स होता है। शरीर शांति महसूस करता है। जो लोग भावनात्मक अवसाद और शारीरिक आघात से गुजर रहे हैं, उनके लिए भी नृत्य एक हीलिंग प्रक्रिया है। जब आप नृत्य के माध्यम से आनंद की अनुभूति करते हैं तो मन-मस्तिष्क में सकारात्मक बदलाव और आनंद महसूस करते हैं, यही डांस थेरेपी है। नृत्य केवल अच्छा महसूस नहीं करवाता बल्कि बायोलॉजिकल रूप से उपचार करता है।' दिलना राजेश आगे बताती हैं, 'मैं कई सालों से ऐसे लोगों से मिलती रही हूं, जो दुख, चिंता, अकेलापन और आत्म-अस्वीकृति से जूझ रहे थे। लेकिन नृत्य के माध्यम से उन्होंने अपनी खोई हुई शक्ति, सहजता, अपनी लय, जीवन की गति और खुद को वापस पाया।'

इस तरह देखें तो नृत्य तन-मन को स्वस्थ रखने वाली, उमंगित करने वाली, ऊर्जा से भरने वाली कला है। आइए हम भी अपने जीवन में नृत्य को सम्मिलित करें। *

नृत्य से मिलती है सबसे ज्यादा खुशी
रानी खानम, कथक नृत्यांगना

मुझे सबसे ज्यादा खुशी नृत्य करने से ही मिलती है। नृत्य से ही सबसे पहले मैंने खुद को पाया। मेरा खुद को देखने का नजरिया बदला। नृत्य के माध्यम से मैं हर वो बात कहती हूं, जो कहना चाहती हूं। नृत्य मेरी अभिव्यक्ति का माध्यम है। नृत्य ने सामाजिक दृष्टि से मुझे बहुत सम्मान-प्यार दिया। मैं मुस्लिम परिवार से हूं तो देश की गंगा-जमुनी तहजीब को मैंने अपने जीवन में उतारा। नृत्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति से जुड़ी पौराणिक कथाओं को जाना। भारतीय परंपरा से जुड़े ज्ञान को समझा। नृत्य के बिना शायद मैं जीवित नहीं रह पाऊंगी। खुद नृत्य करने के साथ ही मैं सामान्य और स्पेशल दोनों तरह के बच्चों को नृत्य सिखाती भी हूं। स्पेशल बच्चों को बचपन से ही अपने आस-पास ऐसा माहौल मिलता है कि वे सहज महसूस नहीं करते। अपनी इच्छाओं को खुलकर अभिव्यक्त नहीं कर पाते। ऐसे में नृत्य उन्हें शक्ति-विश्वास देता है। नृत्य डिसेबल बच्चों को खुद को अभिव्यक्त करने का अवसर देता है। जब बच्चे नृत्य कर रहे होते हैं, वो उनका दिनभर का बेस्ट समय होता है। *

नृत्य मेरी आत्मा है
शोवना नारायण, कथक नृत्यांगना

जब हम जन्म लेते हैं तो हमारी सांस एक नियमित गति और रिद्म में चल रही होती है। बच्चे के हाथ-पैर हिल रहे होते हैं। यह मूवमेंट है। बच्चा कभी रो रहा है, कभी चुप है, यह भाव है। इस तरह हम जन्म से ही लय, ताल, गति, रिद्म और मूवमेंट यानी संगीत और नृत्य को साथ लेकर पैदा हुए हैं। मैं ढाई साल की थी तब से नृत्य कर रही हूं। नृत्य किया तो लगा कि जीवन में सब कुछ मिल गया। नृत्य मेरी आत्मा है, जिसके बिना मैं नहीं रह सकती।

मैं रोज नृत्य करती हूं। नृत्य हमें हर परिस्थिति को स्वीकार करना सिखाता है। जब आप नृत्य में एकाग्र होकर झूमते हैं, तब जीवन की सभी समस्याओं और चिंताओं से मुक्त होकर शांति महसूस करते हैं। पतंजलि ने अष्टांग योग की बात की- यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि इन सभी को हम क्लासिकल नृत्य के माध्यम से करते हैं। नृत्य हमें फिजिकल, मेंटल और स्प्रीचुअल बैलेंस और टीमवर्क सिखाता है। जब हम नृत्य से जुड़ते हैं तो अपनी संस्कृतिक और साहित्य से भी जुड़ते हैं। *

नृत्य मेरे लिए संपूर्ण जीवन है
कविता द्विवेदी, ओडिसी नृत्यांगना

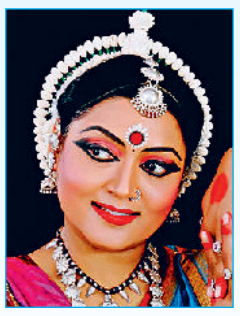

नृत्य मेरे लिए संपूर्ण जीवन है, क्योंकि इसमें जो लय, चलन और गति है, वह हमें एक पूर्ण मानव बनाता है। जीवन यात्रा, चाहे व्यक्तिगत हो या सामाजिक, में बैलेंस, संयम बनाना सिखाता है। नृत्य के माध्यम से मैंने अपनी क्षमता, खूबियों और कमियों को जाना। नृत्य हमें अनुसाशन, धैर्य, सकारात्मक सोच, दृष्टिकोण और समर्पण सिखाता है और यही गुण जब हमारी जीवनशैली में शामिल हो जाते हैं तो हम एक अच्छे नर्तक के साथ-साथ अच्छे इंसान भी बन जाते हैं।

एक सफल नृत्य प्रस्तुति से कई चीजें जुड़ी होती हैं। कई लोगों की मेहनत होती है। इस तरह जब आप नृत्य से जुड़ते हैं तो टीमवर्क और मैनेजमेंट स्किल भी आप सीखते हैं। कलाकार कला के लिए जीता है। कुछ साल पहले मेरे पास एक महिला अपनी बच्ची को लेकर आईं। उस बच्ची का ध्यान बहुत भटकता था, वह एक जगह टिकती नहीं थी। एक साल तक मैंने उसे नृत्य सिखाया और रिजल्ट बहुत अच्छा रहा। ऐसे बच्चे जो पूरी तरह से सामान्य नहीं हैं हम नृत्य के माध्यम से उन्हें मुख्यधारा के बच्चों के बीच खड़ा कर सकते हैं। *

नृत्य मेरी सांस है
ज्योति डी तोमर, घूमर नृत्यांगना

मैंने पहले कथक सीखा, उसके बाद घूमर नृत्य। नृत्य मेरी सांस है, उसी के माध्यम से मुझे जीवन मिला। मानसिक शांति, संतुष्टि और खुशी मिलती है। नृत्य हमसे केवल समर्पण चाहता है। मुझे इससे इतना गहरा लगाव है कि शादी से पहले मैंने पति से केवल यही शर्त रखी थी कि मैं नृत्य नहीं छोड़ूंगी। जब मैं नृत्य कर रही होती हूं तो सब भूल जाती हूं। ऐसा लगता है कि किसी और ही लोक में पहुंच गई हूं। चिंता, तनाव जैसे भाव बहुत दूर चले जाते हैं। सोच सकारात्मक हो जाती है। यही वजह है कि मेंटल हेल्थ को सुधारने के लिए नृत्य जरूरी है। मैं सबसे कहती हूं कि रोज अकेले में नृत्य करें, जहां केवल आप होंगे, मन के भाव होंगे, खुशी होगी। नृत्य सकारात्मक सोच और शांति प्रदान करता है, जिससे जिंदगी को देखने और डील करने का नजरिया बदल जाता है। नृत्य करने और सीखने की कोई उम्र नहीं होती। आप कभी भी नृत्य से जुड़ सकते हैं। मेरे पास एक 73 वर्ष की महिला आईं, संकोच से बोलीं, 'मैं हमेशा से नृत्य सीखना चाहती थी लेकिन कभी मौका नहीं मिला। क्या अब सीख सकती हूं?' उन्होंने वर्कशॉप की और फिर वे इतना सुंदर नाचीं कि सब देखते रह गए। मैं डांस सीखने वालों से यही कहती हूं कि जब डांस करो तो स्वच्छंद होकर करो। अगर खुद के साथ जुड़ना है तो नाचना जरूरी है। नृत्य हमारे तनाव को कम करता है और हैप्पी हार्मोंस बनाता है। मैं तो सबसे कहती हूं आनंद से जिंदगी जीनी है तो डांस करें। स्वांतः सुखाय नियमित नृत्य करें। *

कविता / पुरुषोत्तम व्यास

हंसना भी भूल गए

अब तो हंसना भी भूल गए
बात करना भूल गए।
मुख पर ओढ़े धीर-गंभीर भाव
मालूम नहीं कौन-से
बोझ से दबे और लदे
शुभकामना देना भूल गए।
हंसने से पहले सोचा करते
आदमी को तोला करते
छीन न ले कुछ हमसे
छोटी-छोटी बातों से डरे-सहमे
प्रतिष्ठा के मोह में खोए-से
दूसरे को देखना भूल गए।
जीना ही जैसे भूल गए
अब तो हंसना भी भूल गए।

कहानी
दीप्ति श्रीवास्तव

वक्त का तकाजा

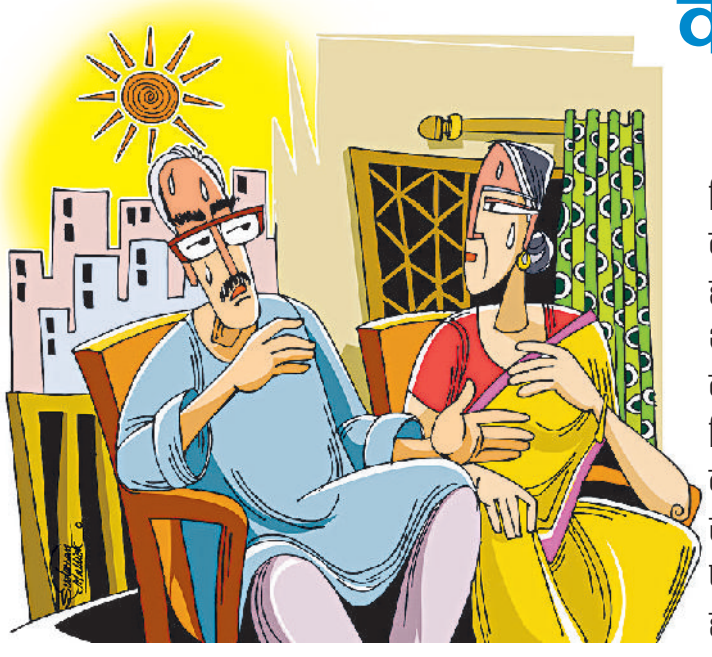

रिटायरमेंट के बाद एक पॉश कॉलोनी में बराड़ साहब ने बहुत ही आलीशान मकान बनवाया था। लोगों से इसकी तारीफ करते नहीं थकते। लेकिन कुछ दिन बाद ही उन्हें लगा कंक्रीट की यह बिल्डिंग, प्रकृति के सुख से दूर है, परेशानियां ही परेशानियां हैं। प्रकृति से दूर होते इंसान की व्यथा-कथा।

बड़े खुश थे बराड़ साहब। उन्होंने एक पॉश कॉलोनी में बड़े शौक से मकान बनवाया था। उसके इंटीरियर में लाखों रुपए खर्च किए। जो भी आता, घूम-घूम कर घर को दिखाते और बोलते-देखिए, बस्तर आर्ट का दरवाजा, इसकी फिनिशिंग... यह झूमर इतने का... यह कोरियाई कालीन... इत्यादि-इत्यादि। नया घर, नई उन्नत तकनीक की महंगी वस्तुएं, स्वयं अपनी शान बघार रही थीं। वह सोचते, घर बनवाने और शादी के आयोजन में जितना पैसा खर्च करो, कम ही लगता है।

एक साल बाद ही बराड़ साहब का नशा उतरने लगा। जिस उत्साह से वह अपने घर का कोना-कोना लोगों को दिखाते थकते नहीं थे, जिस पर नाज कर रहे थे, अब मिलने आने वालों से कहने लगे, 'ऊपर-नीचे उतरने से मैं परेशान हो गया हूं।' वह दूसरों को सलाह देते, 'ऊपर-नीचे वाला घर कभी न लेना। मेरी हालत देखो, कैसी बुरी हो गई है?'

मिट्टी से फैलती गंदगी, बराड़ साहब को नापसंद थी, इसलिए चमकदार फर्श धूप से गर्म हो जाती। कॉलोनी के हर घर में गमले, पौधों से सुसज्जित थे, जमीन पर सीमेंट का कालीन था। बरसात में होने वाले कीचड़ के लिए कोई गुंजाइश नहीं रहती।

'गर्मी ने इस बार जल्दी दस्तक दे दी यहां।' पत्नी से बराड़ साहब बोले।

'सरकारी घर में झाड़-पेड़ थे, मिट्टी का आंगन था, जो गर्मी सोख उसका अहसास कम कराता था। कितना अच्छा लगता था जब चिड़ियां घर के आंगन में चहकती थीं। तुमको यह सब अच्छा नहीं लगता, क्योंकि तुम्हरी नजर में इससे गंदगी फैलती थी।' पत्नी बोली।

गर्मी बढ़ने लगी, रात-दिन एसी में रहना पड़ता। अब बराड़ साहब को लगता नाहक बगीचे की जगह सीमेंट की फर्श फैलाकर इतना पैसा खर्च किया। अब उसको हटवाना यानी अपनी बेवकूफी का प्रदर्शन है। आस-पड़ोस वाले क्या सोचेंगे? गर्मी की समस्या से निजात न मिली, ऊपर से पानी ने भी बेहाल करना शुरू कर दिया। बेहद तपती धरा ने अपना जलस्तर बहुत नीचे कर कॉलोनी के सभी बोरवेल को सुखा दिया।

कॉलोनी का व्हाट्सएप ग्रुप घरों में पानी का त्राहिमाम दिखा रहा था। इसी समय लोगों को वाटर रिचार्ज की याद आ रही थी। ये वही लोग थे, जो जरा से कीचड़ से अपनी नाक बंद करने लगते थे, इनका मन घिना जाता था। इन्हीं के कारण पूरी कॉलोनी में सीमेंट की सड़क बिछा दी गई थी।

तभी जोर-जोर से आवाजें सुन बराड़ जी घर से बाहर आए। देखते क्या हैं, पड़ोसी आपस में झगड़ रहे हैं। रात में उनके घर के ओवर हेड टैंक से पानी चोरी हो गया था। हालात बद से बदतर होते जा रहे थे। टैंकर से कॉलोनी की बड़ी टंकी भर दी गई थी, लेकिन दिन में बस एक बार ही, कम समय के लिए पानी सप्लाई किया जा रहा था। पानी की किल्लत इस अप्रैल महीने में! तब मई-जून में क्या होगा? कॉलोनी वासियों की चिंता का विषय बन गया था।

एक दिन भीषण गर्मी में बिजली पूरा दिन गायब रही। इंवर्टर भी आखिरी सांस लेने लगे, लोगों का बहुत बुरा हाल। पानी-बिजली दोनों नदारद। बताओ पैसा जेब में, लेकिन इसका उपयोग कहां करें? कहीं कोई सुविधा नहीं।

नल दिखावे का साधन मात्र रह गए। खरीदे हुए पानी के कैन मुंह चिढ़ा रहे थे। बराड़ साहब को सरकारी बंगले में चौबीसों घंटे बहते पानी की याद आती। वह तो जलसंसाधन विभाग से ही रिटायर हुए हैं।

जिस जल की उन्होंने कभी कद्र नहीं की, आज वह उनको मुंह चिढ़ा रहा है। पानी के लिए नल-जल कनेक्शन की हजारों एप्लिकेशन फाइल में दबी छुपी रोती रहतीं लेकिन उनके कानों पर जूं तक नहीं रेंगती थी। आज अपनी करनी पर पछतावा करने से क्या होगा, जब परिस्थितियों ने बुरी हालातों का शिकार बना रखा है। यह बात उन्हें भीतर ही भीतर खाए जा रही थी। अपने बड़े ओहदे का घमंड, रिटायर होने के बाद उन्हें जमीन पर ले आया था। उनकी हालत देखकर पत्नी ने सुझाया, 'हम लोग बारिश में खाली पड़ी जमीन पर पेड़ लगाकर, उनकी देखभाल करेंगे, साथ ही बगीचे की सीमेंटी फर्श हटवा बड़े, झाड़ लगाएंगे, जहां चिड़ियां चहकते हुए फुदकेंगी।'

अब बराड़ साहब को समझ में आ रहा था, वह महल किस काम का, जहां पानी के लिए इंसान तरस जाए। इतिहास में बड़े-बड़े बादशाहों तक को पानी की कमी के कारण राजधानी स्थानांतरित करनी पड़ी थी। बराड़ साहब ने निर्णय लिया, बगीचे को असल स्वरूप प्रदान कर वर्षा जल का संग्रहण करेंगे और आस-पड़ोस वालों से भी अपने विचार साझा कर उनसे सहयोग की अपील करेंगे।

धरा जो सूखी पड़ रही/न रहा कोख में पानी/
मानव तेरी शर्म का उतर गया है पानी।

बराड़ साहब बड़ी गंभीरता से सोचते हैं, धरा को इस पीड़ा से छुटकारा दिलाने के लिए मजबूत स्तंभ बन वह काम करेंगे। यही वक्त का तकाजा है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

गजलों का गुलदस्ता

प्रख्यात कवि, आलोचक और भाषाविद ओम निश्चल बेहतरीन गजलगो भी हैं, इस बात की तस्दीक करती हैं, हाल में आई पुस्तक 'कोई मेरे भीतर जैसे धुन में गाए' में संकलित गजलें। यहां अलग-अलग मिजाज और तासीर की कुल मिलाकर 104 गजलें पढ़ी जा सकती हैं। कहीं वे दार्शनिक अंदाज में जिंदगी का फलसफा समझाते हुए कहते हैं, *'कुछ खोकर कुछ पाकर जाना, जीवन क्या है/ दुख से हाथ मिलाकर जाना, जीवन क्या है।'* तो कहीं अतीत की मोहब्बत को याद कर अपने जज्बातों को लफ्जों का लिबास पहनाकर कहते हैं, *'वो पलकों पर ख्वाब सजा के रखती थी/ हम ख्वाबों के पंख उड़ाया करते थे।'* सिर्फ कोमल संवेदनाओं को ही नहीं, अपनी गजलों में राजनीति और व्यवस्था तंत्र में मौजूद विद्रूप को भी वे बिना किसी लाग-लपेट के कठघरे में खड़ा करने से नहीं कतराते हैं। एक बानगी देखिए, *'किया है कत्ल जिसने, घर उसी के/पुलिस भी चाय-पानी कर रही है।'* गजल को वह केवल कुछ कहने का जरिया भर नहीं मानते हैं। तभी तो कहते हैं, *'मेरी गजल तो है इबादत का तरीका बस।'* कह सकते हैं कि गजल के कद्रदानों के लिए यह किताब, गजलों के गुलदस्ते जैसी है। *

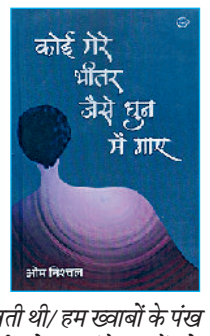

पुस्तकः कोई मेरे भीतर जैसे धुन में गाए,
रचनाकारः ओम निश्चल, **मूल्यः** 250 रुपए,
प्रकाशकः सर्वभाषा प्रकाशन, नई दिल्ली

पर्यटन स्थल / रजनी अरोड़ा

खूबसूरत वादियों का शहर ऊटी

वैसे तो अपने देश में पर्यटकों के मन में जब हिल स्टेशंस में समर वैकेशन एंज्वॉय करने की बात आती है तो सबसे पहले जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड का खयाल आता है। लेकिन अगर आप इनसे अलग मिजाज के हिल स्टेशन का आनंद लेना चाहते हैं तो इस बार ऊटी का रुख कर सकते हैं। वहां की विशेषताएं और दर्शनीय स्थलों के बारे में जानिए।

गर्मी के मौसम में किसी हिल स्टेशन पर कुछ दिन बिताना, रोमांचकारी और सुकून भरा अनुभव होता है। वहां के खुशनुमा वातावरण में न सिर्फ गर्मी से राहत मिलती है, बल्कि घूमने-फिरने, मौज-मस्ती करने और नई-नई जगहें देखने का मौका भी मिलता है। अगर आप भी आने वाली गर्मी की छुट्टियों में घूमने की योजना बना रहे हैं तो दक्षिण भारत का ऊटी हिल स्टेशन, एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है।

मन मोह लेती है खूबसूरती

तमिलनाडु राज्य की नीलगिरी पहाड़ियों (ब्लू माउंटेंस) पर स्थित है, ऊटी। इसका पुराना और दूसरा नाम 'उदगमंडलम' है और देश-विदेश के पर्यटकों में यह हिल स्टेशनों की रानी नाम से मशहूर है। ऊटी में पहले टोंगा आदिवासियों का गढ़ था। जब अंग्रेज हिंदुस्तान आए तो उन्होंने ऊटी को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया। यहां ब्रिटिश शासनकाल में बनाई गई कई खूबसूरत इमारतें, गेस्टहाउस के रूप में आपका स्वागत करते आज भी मौजूद हैं। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर ऊटी में मौजूद पार्क और झीलें, पर्यटकों का मन मोह लेती हैं।

छतरीनुमा बैठने की जगह मानो पर्यटकों को कुछ पल रुकने के लिए मजबूर कर देती है।

बोटेनिकल गार्डन

1848 में बनाया गया बोटेनिकल गार्डन 22 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैला हुआ है। गार्डन की छोटी-बड़ी क्यारियों में पेड़-पौधों की 650 से अधिक किस्में मौजूद हैं। यहां करीब 20 लाख साल पुराने पेड़ का जीवाश्म भी संजोकर रखा गया है। गार्डन में बनी

अनोखी भौगोलिक संरचना

ऊटी की भौगोलिक संरचना ऐसी है कि गर्मी हो या सर्दी, ऊटी का तापमान 5 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। खूबसूरत वादियों में जहां सुबह का मौसम सुहावना और काफी ठंडा होता है। वहीं दोपहर होते-होते सूरज की किरणें ताप को बढ़ा देती हैं और सूर्यास्त के साथ ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों और पेड़ों से बहते ठंडी हवा के झोंके रोमांच से भर देते हैं। ऊटी शहर, समुद्रतल से करीब 7,350 फीट की ऊंचाई पर बसा है। अपने प्राकृतिक सौंदर्य की बदौलत देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करता है। घाटी में चारों ओर फैली हरियाली, प्रकृति के खूबसूरत नजारे, ऊंचे-ऊंचे पहाड़, आसमान को छूते देवदार और चीड़ के पेड़, हरे-भरे ढलान और सीढ़ीनुमा खेत पर्यटकों का मन मोह लेते हैं। चाय-कॉफी के बागानों से आने वाली ताजी महक हवा में फैली रहती है। छोटी-छोटी, ऊंची-नीची पहाड़ियों को काटकर बनाए गए घर और वहां तक जाने की सीढ़ीदार, तंग और संकरी गलियां देखने में बहुत आकर्षक लगती हैं। यहां देखने के लिए कुछ स्थल विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं।

ऊटी लेक

शहर से 3 किलोमीटर दूर स्थित ऊटी लेक, दर्शनीय स्थल है। इस लेक का निर्माण 1825 में कोयंबटूर के तत्कालीन कलेक्टर जॉन सुलीवन ने करवाया था। बाद में इसी लेक के नाम पर शहर का नाम रखा गया। यहां पर्यटक बोटिंग, घुड़सवारी ही नहीं, अनुमति लेकर मछली पकड़ने का लुत्फ भी उठा सकते हैं। लेक परिसर के बाहर पर्यटकों को राइडिंग का मजा दिलाने के लिए किराए पर घोड़े उपलब्ध रहते हैं।

चिल्ड्रेन पार्क

ऊटी लेक के पास बना यह पार्क बच्चे ही नहीं बड़ों के भी आकर्षण का केंद्र है। खासकर बच्चे यहां लगे झूले और ट्रवॉय ट्रेन में घूमने का आनंद जरूर उठाते हैं।

सरकारी संग्रहालय

ऊटी की मैसूर रोड पर 1989 में बनाया गया सरकारी संग्रहालय भी देखने लायक है। संग्रहालय में दुनिया भर में मशहूर तमिलनाडु की मूर्तिकला, चित्रकला, सेंडल वुड से बनी अनेक वस्तुओं, मैसूर सिल्क और साउथ कॉटन के वस्त्रों को दर्शाया गया है। यहां आदिवासियों के द्वारा उपयोग में लाई जाने वाली वस्तुओं और कपड़ों को भी प्रदर्शित किया गया है। संग्रहालय में ऊटी का पारिस्थितिकीय विवरण यानी इकोलॉजिकल डिटेल भी दी जाती है, जो पर्यटकों को ऊटी की आबोहवा के बारे में जानकारी देती है।

चेरिंग क्रॉस

चेरिंग क्रॉस, ऊटी का दिल कहलाता है। यह एक चौराहा है, जिसके चारों ओर शॉप्स हैं। चौराहे के बीचों-बीच चौतरफा मुंह करके खड़े एंजिल स्टेच्यू, बरबस ही ध्यान खींच लेता है। यह एक फाउंटेन है, जिसके आस-पास लगी रंग-बिरंगी लाइटें रात के समय इसकी खूबसूरती और बढ़ा देती है। चेरिंग क्रॉस में कई दुकानों पर ऊटी में बनी स्पेशल चायपत्ती, होममेड चॉकलेट और मसालों की पचासों वैराइटीज मिल जाती हैं।

रोज गार्डन

ऊटी का दिल कहे जाने वाले चेरिंग क्रॉस के पास 10 एकड़ क्षेत्रफल में फैला रोज गार्डन, पर्यटकों को खूब लुभाता है। गार्डन में 1000 से अधिक किस्म के गुलाब के पौधे हैं। साथ ही इसमें लगे कई तरह के आर्टिफिशियल पौधे, इस रोज पार्क की सुंदरता को और भी बढ़ा देते हैं। *

रोचक / चंद्रप्रकाश

हजारों-लाखों साल पहले धरती पर रहने वाले अनेक जंतु अब विलुप्त हो चुके हैं। लेकिन जरा सोचिए, कैसा रोमांचक अनुभव होगा, जब कोई विलुप्त जंतु फिर से हमारे सामने आ जाएगा!

फिर से हुआ जिंदा विलुप्त भेड़िया

डायनासोर का नाम सुनते ही एक भयानक और विशाल जंतु का चित्र मन में उभरता है। इसके बारे में आपने पढ़ा, सुना या टीवी/इंटरनेट पर जरूर देखा होगा। लेकिन अब इस धरती पर डायनासोर मौजूद नहीं हैं। डायनासोर ही नहीं, आज से हजारों-लाखों साल पहले इस धरती पर रहने वाले सैंकड़ों जानवर अब विलुप्त हो चुके हैं।

अनेक प्रजातियां हो चुकी हैं विलुप्तः डायनासोर के अलावा धरती से विलुप्त हो चुके जानवरों में हाथी की तरह दिखने वाला मैमथ, पीठ पर बाघ जैसी धारियों वाला तस्मानियाई थायलेसिन, उत्तरी अफ्रीका का सफेद गैंडा, किसी बड़ी मुर्गी जैसा दिखने वाला डोडो पक्षी और अमेरिकी डायर भेड़िया भी शामिल हैं। वर्ल्ड एनिमल फाउंडेशन नामक एक संस्था का मानना है कि यदि विलुप्ति की कगार पर पहुंच चुकी जंतु प्रजातियों के संरक्षण पर ध्यान न दिया गया तो 2050 तक दुनिया की लगभग आधी जैव-प्रजातियां विलुप्त हो जाएंगी। लेकिन इस चिंताजनक आशंका के बीच संतोषजनक खबर यह है कि जेनेटिक इंजीनियरिंग से जुड़ी एक अमेरिकी कंपनी कुछ विलुप्त हो चुके जंतुओं को पुनर्जीवित करने में जुटी है।

अमेरिकी कंपनी है प्रयासरतः अमेरिका के टेक्सास में स्थित डलास शहर में 2021 में स्थापित कोलोसल बायोसाइंसेज नामक एक कंपनी ने चौंकाने वाला दावा किया है। कंपनी का दावा है कि वह 2028 तक कई विलुप्त जानवरों को दोबारा से हमारे बीच जीता-जागता ले आएगी। यह कंपनी जेनेटिक इंजीनियरिंग के क्षेत्र में काम करती है। यह विभिन्न जीवों के संरक्षण और जैव विविधता की हानि से निपटने के साथ विलुप्तप्राय जानवरों को बचाने का प्रयास कर रही है। साथ ही विलुप्त जानवरों की प्रजाति को दोबारा से वापस लाने का प्रयास भी कर रही है।

पुनर्जीवित हुआ विलुप्त भेड़ियाः विलुप्त जीवों के संरक्षण के प्रयास की प्रक्रिया में कोलोसल बायोसाइंसेज ने हाल ही में ऐसे वुल्फ (भेड़िया) के तीन छौनों (भेड़िया के बच्चे) को लैब में तैयार किया है, जिनमें आनुवांशिक रूप से डायर वुल्फ के गुण मौजूद हैं। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि डायर वुल्फ की प्रजाति आज से लगभग 12 हजार साल पहले विलुप्त हो चुकी थी। जेनेटिकली तैयार किए गए इन छौनों में से दो नर और एक मादा भेड़िया हैं। नर छौनों के नाम 'रोमुलस' और 'रीमस' रखे गए हैं, जबकि मादा छौने का नाम 'खलीसी' रखा गया है।

लेखक की कल्पना हुई साकारः डायर वुल्फ से जुड़ी एक रोचक बात यह हे कि वर्ष 2011 में बनी एक टीवी सीरीज 'गेम ऑफ थ्रोंस' में इनको जीवंत रूप में चित्रित किया गया था। यह टीवी सीरीज अमेरिकी उपन्यासकार जॉर्ज आर. आर. मार्टिन के कई खंडों में लिखे उपन्यास 'ए सॉन्ग ऑफ आइस एंड फायर' के आधार पर बनाई गई है। यहां इंटरेस्टिंग बात यह भी है कि कोलोसल बायोसाइंसेज द्वारा तैयार किए गए विलुप्त डायर वुल्फ के बच्चों से मिलने के लिए मार्टिन स्वयं वहां पहुंचे। जरा सोचिए, हजारों साल पहले विलुप्त हो चुके जिस डायर वुल्फ के बारे में इमेजिन करके आर. आर. मार्टिन ने अपनी किताब में वर्णन किया, उसे सामने जीवित देखकर उन्हें कितना रोमांचक अनुभव हुआ होगा! अपनी कलम से रचे इन जंतुओं को अपने सामने सचमुच देखना एक भावुक कर देने वाले क्षण था। *

डायर वुल्फ के बच्चे के साथ लेखक जॉर्ज मार्टिन

उपयोगी पेड़ / वीना गौतम

पिछले कुछ वर्षों से स्वादिष्ट फल चीकू की डिमांड बढ़ रही है। ऐसे में इसकी खेती किसानों के लिए फायदेमंद हो सकती है।

किसानों के लिए फायदेमंद स्वादिष्ट फल चीकू की खेती

चीकू, सैपोटेसी परिवार का पेड़ है। इसे कहीं-कहीं सपोटा या सपोडिला भी कहते हैं। इसका वानस्पतिक नाम मनिल्करा जपोटा है। मूलतः सेंट्रल अमेरिका, खासकर मैक्सिको का यह फल 16वीं, 17वीं शताब्दी में स्पेनिश या पुर्तगालियों के जरिए भारत आया था। शुरुआत में यह महज एक सजावटी पौधे के रूप में ही उगाया जाता था। लेकिन धीरे-धीरे महाराष्ट्र और गुजरात में इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी और आज यह इन दोनों राज्यों के प्रमुख व्यावसायिक फलों में से एक है। महाराष्ट्र और गुजरात के अलावा, कर्नाटक के बेलगाम और धारवाड़ क्षेत्र में, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के तटीय क्षेत्रों में, तमिलनाडु में चेन्नई के आस-पास के कावेरी डेल्टा वाले क्षेत्रों में और ओडिशा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के कुछ जिलों में भी इसकी खेती होती है। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और बिहार के कुछ क्षेत्रों में भी चीकू की खेती के लिए आदर्श दशाएं हैं। जहां तक चीकू के किस्मों की बात है तो भारत में इसकी सबसे मशहूर किस्में कालीपट्टी (गुजरात), क्रिकेट बॉल, पाला, डीएचएस-1, पीकेएम-1 हैं। कालीपट्टी सबसे मीठा और लोगों द्वारा पसंद की जाने वाली चीकू की किस्म है।

व्यावसायिक महत्वः एक बार चीकू का पेड़ लग जाने पर यह बड़े आराम से 40 से 60 सालों तक फल देता रहता है। यह लगाने के तीसरे-चौथे साल से फल देना शुरू कर देता है और छठें-सातवें साल तक पहुंचते-पहुंचते अपनी पूरी क्षमता से फल देने लगता है। एक परिपक्व चीकू का पेड़ प्रतिवर्ष 150 से 300 किलोग्राम तक फल देता है। बाजार में इस समय जिस तरह से चीकू की कीमत औसतन 40 से 50 रुपए प्रति किलो है, उसके चलते बड़े आराम से एक हेक्टेयर में लगे चीकू के पेड़ों से हर साल किसान लाखों रुपए की आमदनी कर सकते हैं। हालांकि इस स्तर का आर्थिक लाभ पाने के लिए इसकी अच्छी देखभाल और प्रबंधन जरूरी है।

उपयुक्त दशाएंः चीकू की खेती के लिए क्षेत्र का तापमान 20 डिग्री सेंटीग्रेड से अधिकतम 40 डिग्री सेंटीग्रेड तक रहना चाहिए। चीकू हल्की सर्दी तो सह लेता है, लेकिन जरा सी सर्दी अधिक हुई तो इसे पाला मार जाता है। चीकू की खेती के लिए उपयुक्त मिट्टी दोमट और बलुई-दोमट मिट्टी है। साथ ही ड्रेनेज सिस्टम का होना जरूरी है। इसे लगाई जाने वाली मिट्टी का पीएच मान 6.5 से 8 के बीच सबसे आदर्श होता है।

ऐसे करें चीकू की खेतीः चीकू के पेड़ को जून से जुलाई यानी मानसून की शुरुआत में ही रोपना सही होता है। इसकी नर्सरी रोपने के लिए 1-1 मीटर का गड्ढा क र ना चाहिए। गड्ढे में 10 किलो गोबर की खाद, 50 ग्राम नीम की फली और थोड़ी ट्राइकोडर्मा आदि चीकू के पेड़ की जड़ों को सड़ने से बचाने के लिए डालना चाहिए। दो पौधों के बीच की दूरी कम से कम कतार में 8 फीट होनी चाहिए। लगभग एक एकड़ में 60 से 70 पौधे ही आराम से लगते हैं। शुरुआत के समय यानी पहले एक से दो साल में, जब तक पेड़ परिपक्व नहीं होते, 10 से 12 दिन के भीतर पौधे को पानी देना जरूरी है। एक साल के बाद इस अंतराल को बढ़ाया जा सकता है। जब पेड़ में फूल और फल लगने का समय हो, तब इसे नियमित पानी देना जरूरी है। ड्रिप इरिगेशन इसके लिए अत्यंत फायदेमंद है। *

हाल ही में इरफान खान के बेटे बाबिल खान की सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 'लॉगआउट' रिलीज हुई है। फिल्म में बाबिल एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर बने हैं। इस फिल्म के साथ-साथ अपने प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ के बारे में भी बाबिल ने खुलकर बात की। पेश है इस लंबी बातचीत के प्रमुख अंश।

फर्क नहीं पड़ता आप किसके बेटे हैं सिर्फ परफॉर्मेंस से बात बनती है

बाबिल खान

खास मुलाकात / पूजा सामंत

अपनी तरह के अनोखे एक्टर इरफान खान के बेटे बाबिल खान ने अपने पिता और मां (सुतापा सिकदर) के नक्शे कदम पर चलते हुए अभिनय की दुनिया में प्रवेश किया है। 'कला' और 'फ्रायडे नाइट प्लान' फिल्मों और 'द रेलवेमैन' वेब शो में नजर आ चुके बाबिल, बीते 18 अप्रैल को जी-5 पर रिलीज साइबर सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 'लॉगआउट' में भी नजर आ रहे हैं। हाल में बाबिल ने एक मुलाकात में इस फिल्म के साथ-साथ अपने एक्टिंग करियर और पर्सनल लाइफ के बारे में बहुत सी बातें शेयर कीं।

सबसे पहले तो यह बताइए कि किस तरह की फिल्म है 'लॉगआउट'?

'लॉगआउट' साइबर क्राइम पर बेस्ड फिल्म है, जो इस समय विकराल रूप ले चुकी है। आज से 15 वर्ष पहले तक शायद ही किसी ने साइबर क्राइम का नाम सुना होगा। लेकिन कंप्यूटर साइंस जितनी तेजी से आगे बढ़ा है, उतनी ही तेजी से कंप्यूटर रिलेटेड फ्रॉड बढ़ते गए। जितना ज्यादा हम लोग मोबाइल, कंप्यूटर और इंटरनेट का यूज करेंगे, उतनी अधिक सावधानियां बरतनी होंगी। साइबर वर्ल्ड/वर्चुअल वर्ल्ड और साइबर क्राइम के अनेक पहलुओं को ही सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 'लॉगआउट' दिखाती है।

आपने इस फिल्म को क्यों एक्सेप्ट किया?

फिल्म 'लॉगआउट' के एक दृश्य में रसिका दुग्गल के साथ बाबिल खान

वायकॉम 18 और निर्देशक अमित गोलानी ने तीन-चार साल पहले मुझे दो पन्नों की स्क्रिप्ट भेजी थी। मैंने इस फिल्म के निर्देशक से पूरी स्क्रिप्ट मांगी, तब उन्होंने मुझे मिलने बुलाया। मैंने उनसे कहा, 'अगर स्क्रिप्ट पसंद आती है, तो मैं इस फिल्म को जरूर करना चाहूंगा।' मैंने गौर किया 'लॉगआउट' की कहानी तो आज के दौर में बहुत ज्यादा रेलीवेंट है। जब मोबाइल, कंप्यूटर और इंटरनेट के नशे में जरूरत से ज्यादा हम बह जाते है तो हमें इसके दुष्परिणामों का भी सामना करना पड़ता है, यही कहानी का सार है। मुझे लगता है कि इसे हर वर्ग के दर्शकों तक पहुंचाना आवश्यक है।

इस फिल्म में आपने जो किरदार निभाया है, उसके बारे में कुछ बताएं।

फिल्म में मेरे किरदार का नाम है प्रत्युष, जो सोशल मीडिया का स्टार है। वो इंफ्लुएंसर है, यही उसका पेशा है। दिन-रात सोशल मीडिया पर काम करते हुए कैसे उसकी व्यक्तिगत जिंदगी प्रभावित होती है, कैसे उसे सोशल मीडिया पर एक्टिव रहना और लॉगआउट न करना महंगा पड़ता है, यही इस फिल्म में बहुत मनोरंजक ढंग से दर्शाया गया है। मुझे पूरा यकीन है कि फिल्म 'लॉगआउट' में आने वाले ट्विस्ट एंड टर्न्स दर्शकों को हैरत में डाल देंगे।

पर्सनल लाइफ में आप खुद कितने मोबाइल एडिक्ट हैं?

मैं मोबाइल एडिक्ट नहीं हूं। हां, जब टीन एजर था, तो एक बार मैंने पापा से नया मोबाइल लेने के लिए खूब जिद किया था। उन दिनों एक खास ब्रांड के फोन का क्रेज था। लेकिन मैंने जो फोन मांगा वो पापा ने नहीं दि ला या । उन्होंने मुझे ऐसा मोबाइल लाकर दिया, जिसमें प्ले स्टेशन नहीं था, मैं बड़ा मायूस हुआ। पापा और मम्मी यह जान चुके थे कि उस ब्रांड का फोन देने पर मैं प्ले स्टेशन खेलने का एडिक्ट हो जाऊंगा और ऐसा वे नहीं चाहते थे। लेकिन उन्होंने जो किया, उससे मैं मोबाइल-एडिक्ट होने से बचा। इसलिए अगर आज मैं मोबाइल या फिर सोशल मीडिया का एडिक्ट नहीं हूं, इस बात का श्रेय मेरे पैरेंट्स को ही जाता है।

कई स्टार किड्स की तरह आपको भी अपने पिता की वजह से एक्टिंग में चांस मिला, इसे नेपोटिज्म कहा जाता है। इस बारे में आप क्या कहेंगे?

मुझे एक्टिंग का चांस अपने बाबा और मां दोनों की बदौलत मिला है। बाबा तो उम्दा एक्टर थे ही, मां भी एक्टर और राइटर हैं। मुझे इन दोनों से अभिनय विरासत में मिली है। जहां तक नेपोटिज्म की बात है तो यह दौर अब बदल चुका है। इससे फर्क नहीं पड़ता कि आप किसके बेटे हैं, केवल परफॉर्मेंस से ही बात बनती है।

अपनी आने वाली फिल्मों के बारे में बताइए।

एक इंडो अमेरिकन प्रोजेक्ट कर रहा हूं, जिसका नाम है-यक्षि। इसके अलावा निर्देशक शुजीत सरकार की अगली फिल्म की शूटिंग के लिए मैं दार्जिलिंग जा रहा हूं। कुछ काम ओटीटी के लिए भी करने जा रहा हूं, जो अभी फाइनल होने वाला है। *

मेरे सबसे करीबी दोस्त थे बाबा

एक बेटे के तौर पर बाबिल की अपने पापा से किस तरह की बॉन्डिंग थी? इसके जवाब में वे भावुक होते हुए कहते हैं, 'मैं अपने पिता जी को बाबा कहता था। जीवन में एक इंसान को कैसा होना चाहिए और कैसा नहीं होना चाहिए, यह सीख मुझे उनसे ही मिली। मेरे बाबा मेरे सबसे करीबी दोस्त थे। ऐसी कोई बात नहीं थी, जो मैंने उनसे छुपाई हो। बहुत गहरा रिश्ता था हमारा। उन्होंने कभी भी अपनी राय मुझ पर थोपी नहीं। मुझे अपना करियर चुनने की पूरी आजादी दी। मुझे याद है, हम एक मर्तबा रेस्टोरेंट में खाना खाने गए। मुझे खाने की टेबल पर डांस करने का मूड बना, हालांकि तब तक खाना सर्व नहीं किया गया था। मैंने आव देखा न ताव, टेबल पर खड़े होकर डांस करने लगा। मां ने मुझे ऐसा करने से मना किया, लेकिन बाबा ने कहा, 'अगर यह टेबल पर डांस करना चाहता है तो इसे करने दो। लोग क्या बोलेंगे इस पर ध्यान मत देना।' मुझे वो घटना अकसर याद आती है और आंखें भर आती हैं।